दैनिक

बढ़ता राजस्थान

संस्करणःटोंक,जयपुर, अलवर एवं कोटा

• Since : 2004 /// कदम बढ़ाएं, सच के साथ ///

वर्ष : 12 | अंक : 197 टोंक | शनिवार,22 मार्च, 2025 | चैत्र, कृष्ण पक्ष अष्टमी संवत्-2081 भारत सरकार से विज्ञापनों के लिए स्वीकृत | मूल्य :₹ 4.00 | पृष्ठ : 08

www.badhatarajasthan.in badhatarajasthan@yahoo.com badhatarajasthan.dainik badtarajasthan

मौसम जयपुर

24.0° अधिकतम तापमान | 12.0° न्यूनतम तापमान

बाजार शेयर बाजार

सेंसेक्स 76,905.51 +557.45 (0.73%)

निफ्टी 23,350.40 +159.75 (0.69%)

सर्राफा सोना/चांदी

सोना 90,730 /10g

चांदी 1,03,000 /Kg

संक्षिप्त समाचार

हरियाणा-पंजाब का खनौरी बॉर्डर खुला

किसान आंदोलन के चलते 13 महीने से बंद था पंजाब सरकार की मीटिंग में नहीं गए किसान

बढ़ता राजस्थान

पटियाला (एजेंसी)। किसान आंदोलन की वजह से 13 महीने से बंद हरियाणा-पंजाब का खनौरी बॉर्डर भी शुक्रवार से खुल गया। यहां से दिल्ली-पटियाला हाईवे पर आवाजाही शुरू हो गई। हरियाणा पुलिस ने 20 मार्च को ही यहां से सीमेंट की बैरिकेडिंग हटा दी थी। पंजाब की तरफ से ट्रालियां हटाने में समय लग गया। पंजाब पुलिस ने अंबाला और पटियाला के बीच शंभू बॉर्डर को 20 मार्च को ट्रैफिक के लिए खोल दिया था। इसके बाद दिल्ली-अमृतसर-जम्मू हाईवे पर आवाजाही शुरू हो गई है। पंजाब पुलिस ने 19 मार्च को ये दोनों बॉर्डर किसानों से खाली कराए थे। वहीं, पंजाब के 2 किसान संगठन संयुक्त किसान मोर्चा (स्यरू) के पंजाब चैप्टर और भारतीय किसान यूनियन (उगराहां) ने राज्य सरकार की बुलाई मीटिंग का बायकॉट कर दिया।

महाराष्ट्र सरकार आगरा में छत्रपति शिवाजी महाराज का म्यूजियम बनाएगी

बढ़ता राजस्थान

मुंबई/आगर। महाराष्ट्र सरकार ने शुक्रवार को एक गवर्नमेंट रेजोल्यूशन जारी किया। अब महाराष्ट्र सरकार उत्तर प्रदेश के आगरा की उस जगह (कोठी मीना बाजार) को खरीदेगी, जहां छत्रपति शिवाजी महाराज मुगलों को औरंगजेब ने नजरबंद किया था। यहां म्यूजियम बनाने की तैयारी है।

दरअसल, 19 फरवरी को महाराष्ट्र में एक सभा को संबोधित करते हुए सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा था- आगरा में जहां छत्रपति शिवाजी महाराज को कैद रखा था, वहां पर स्मारक बनाएंगे। महाराष्ट्र सरकार इस जमीन का अधिग्रहण करेगी। मैं खुद योगी आदित्यनाथ से बात करुंगा।

इंडिया का त्यौहार... आज से...

केकेआर और आरसीबी के बीच पहला मैच

13 शहर 74 मुकाबले

पिच रिपोर्ट-ईडन गार्डन्स की पिच हाई-स्कोरिंग मैचों के लिए मशहूर है. यहां शुरुआत में बल्लेबाजी करना आसान होता है और पारी के शुरुआती ओवरों में बैटिंग टीम हावी रह सकती है. मगर जैसे-जैसे गेंद पुरानी होती है, वैसे-वैसे स्पिनरों को मदद मिलनी शुरू हो जाती है.

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग के 18वें सीजन यानी आईपीएल 2025 के शुरू होने में अब 24 घंटे का समय रह गया है। आज शनिवार, 22 मार्च से आईपीएल 2025 का आगाज होगा। इस सीजन का पहला मैच डिफेंडिंग चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेला जाएगा। आईपीएल 2025 की शुरुआत 22 मार्च से होगी, वहीं फाइनल मुकाबला 25 मई को खेला जाएगा। आईपीएल 2025 में कुल 74 मैच खेले जाएंगे। इसमें लीग स्टेज में 70 मैच होंगे। सभी 10 टीमें लीग स्टेज में 14-14 मैच खेलेंगी। आईपीएल 2025 के सभी मैच कुल 13 शहरों में खेले जाएंगे। आईपीएल 2025 के वेन्यू की बात करें तो वे इस प्रकार हैं- लखनऊ, हैदराबाद, दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, अहमदाबाद, विशाखापट्टनम, गुवाहाटी, बेंगलुरु, न्यू चंडीगढ़, जयपुर, कोलकाता और धर्मशाला।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मंच पर मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि

संघ ने मणिपुर के हालात पर चिंता जताई, कहा- तमिलनाडु से भाषा विवाद मिलकर सुलझाएं

बढ़ता राजस्थान

बेंगलुरु (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 3 दिन की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा शुक्रवार को बेंगलुरु में शुरू हुई। बैठक के शुरुआत में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, तबला वादक जाकिर हुसैन, प्रीतीश नंदी समेत संघ के दिवंगत कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि दी गई। संघ के सह सरकार्यवाह सीआर मुकुंद ने मणिपुर की स्थिति को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि मणिपुर बीते 20 महीनों से बुरे दौर से गुजर रहा है, लेकिन केंद्र सरकार के कुछ राजनीतिक और प्रशासनिक फैसलों के बाद अब उम्मीद की किरण नजर आ रही है। हालांकि, राज्य में हालात सामान्य होने में अभी लंबा समय लगेगा। उन्होंने तमिलनाडु और केंद्र सरकार के बीच चल रहे भाषा और परिसीमन विवाद पर कहा- कुछ ताकतें हैं, जो देश की एकता को चुनौती दे रही हैं। वह उत्तर और दक्षिण के बीच बहस को बढ़ावा दे रही हैं। चाहे वह परिसीमन की डिबेट हो या भाषा की डिबेट। उन्होंने कहा कि ये ज्यादातर राजनीति से प्रेरित हैं। उन्होंने कहा कि सभी सोशल ग्रुप को साथ आना होगा। यह सही नहीं है कि हम आपस में लड़ें। अगर कोई दिक्कत है तो उसे मिलकर, सद्भावना से हल किया जा सकता है।

हमारे स्वयंसेवक और अलग अलग विचार परिवार के लोग सद्भावना की पूरी कोशिश कर रहे हैं, खासकर दक्षिण भारत के राज्यों में। अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा 2025 की शुरुआत सरसंघचालक मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने भारत माता की तस्वीर पर फूल चढ़ाकर की।

आतंकवाद, नक्सलवाद और उग्रवाद नासूर : शाह

ये हमें विरासत में मिले, हमने मुकाबला किया, 10 साल में बहुत कुछ बदला

बढ़ता राजस्थान

वामपंथी उग्रवाद पर बोले शाह

वामपंथी उग्रवाद को किसी ने राजनीतिक समस्या बताया। इस सोच पर तरस आता है। कोई पांच-25 साल में विकास नहीं पहुंचा सकता। कोई छूट गया होगा, इसका मतलब ये नहीं कि हम देश की व्यवस्था को ही न मानें। हिम्मत देखिए, पशुपति नाथ से तिरुपति तक कई थानों पर कब्जा कर लिया और समानांतर व्यवस्था चलाई, करेंसी चलाई। 31 मार्च 2026 को देश से वामपंथी आतंकवाद समाप्त हो जाएगा।

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजट सत्र के आठवें दिन शुक्रवार को अमित शाह ने गृह मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा का जवाब दिया। शाह ने कहा- चर्चा के दौरान कुछ उपयोगी सुझाव आए हैं। हमारी कमियों की ओर ध्यान दिलाया गया। कुछ राजनीतिक टिप्पणियां भी की गईं। कुछ राजनीतिक आक्षेप भी लगाए गए। सभी का संसदीय भाषा में जवाब देने का प्रयास करूंगा। शाह ने कहा- पिछले 10 साल में प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में बहुत कुछ बदला। आतंकवाद, नक्सलवाद और पूर्वोत्तर में उग्रवाद नासूर बने थे।

हमें पिछली सरकार ने इसे विरासत में दिया था। 2014 में हमारी सरकार बनी तो हमने तीनों मोर्चों पर मुकाबला किया। जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं से हुई मौतों में 70% कमी आई है। गृह मंत्री ने कहा- जम्मू-कश्मीर में विपक्ष के 33 साल के शासनकाल में वहां सिनेमाहॉल ही नहीं खुलते थे। हमने 2019 में आर्टिकल 370 हटाया। जी-20 की बैठक में दुनियाभर के राजनयिक वहां गए। हमने वहां सफलतापूर्वक चुनाव करवाए। एक गोली तक नहीं चली। शाह ने कहा, पहले जम्मू कश्मीर में आतंकी आते थे और कोई त्योहार नहीं होता था, जब हमले नहीं होते थे। मोदीजी के आने के बाद भी हमले हुए। उरी और पुलवामा में हमला हुआ। 10 दिन में पाकिस्तान में घर में घुसकर एयर स्ट्राइक कर जवाब दिया गया। इस तरह की कार्रवाई करने वाले दुनिया में इजराइल और अमेरिका की सूची में महान भारत का नाम जुड़ गया। कन्याकुमारी से कश्मीर तक मुरली मनोहर जोशी के नेतृत्व में यात्रा निकली थी। हमें लाल चौक जाने की परमिशन नहीं मिल रही थी। हमने जिद की तो सेना की सुरक्षा में जाना पड़ा और आनन-फानन में तिरंगा फहराकर आना पड़ा। उसी लाल चौक पर कोई घर ऐसा नहीं था जिस पर हर घर तिरंगा अभियान में तिरंगा न हो। हमने कई ऐसे कदम उठाए जिसकी वजह से आतंकियों से भारतीय बच्चों के जुड़ने की संख्या करीब-करीब शून्य हो गई है। आतंकी जब मारे जाते थे, बड़ा जुलूस निकलता था।

सम्पादकीय

मणिपुर में टकराव के नए कारक हो रहे पैदा, नए क्षेत्रों में हिंसा का हो रहा विस्तार

मणिपुर पहले ही जातीय टकराव और हिंसा के दौर में झुलस रहा है और अब तक वहां शांति के लिए की गई तमाम कवायदों का कोई ठोस हासिल सामने नहीं आया है। करीब पौने दो वर्ष पहले वहां शुरू हुई हिंसा और उसके बाद अराजकता का माहौल आज भी कमोबेश जारी है और उसके हल का रास्ता सरकार नहीं निकाल सकी है। मणिपुर में लगातार जारी अशांति के मुख्य कारणों को संबोधित करके जहां उसका कोई समाधान निकालने के लिए सभी स्तरों पर हर संभव उपाय किए जाने चाहिए थे, वहां हालत यह है कि अब राज्य में टकराव के नए कारक पैदा हो रहे हैं, नए क्षेत्रों में हिंसा का विस्तार हो रहा है और उससे हालात और ज्यादा बिगड़ने की आशंका खड़ी हो रही है। सवाल है कि केंद्र से लेकर राज्य तक का समूचा सरकारी तंत्र वहां के ज्यादातर इलाकों में पसरी अराजकता की स्थिति को संभालने और शांति कायम करने के प्रयासों में किन वजहों से नाकाम साबित हुआ है। इसका कारण सिर्फ हालात की जटिलता है या समस्या का हल निकालने के प्रति दूरदर्शिता की कमी और उदासीनता? आखिर क्या वजह है कि मणिपुर में मैतेई और कुकी-जो के अलावा दूसरी जनजातियां भी अलग मुद्दों पर आमने-सामने खड़ी हो रही हैं?

गौरतलब है कि राज्य के अशांत चूड़ाचांदपुर जिले में कुछ दिन पहले हमार समुदाय के एक नेता पर हमला होने के बाद जोमी समुदाय के साथ हमार समुदाय के लोगों की झड़पें शुरू हो गई थीं। हालांकि इसके बाद हमार और जोमी समुदायों के शीर्ष निकायों ने पहल की और उसके बाद दोनों पक्षों के बीच शांति के लिए समझौता हुआ। मगर यह अफसोसनाक है कि उस समझौते पर कुछ देर अमल करना भी जरूरी नहीं समझा गया और दोनों समुदायों के बीच फिर हिंसा होने लगीं, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। इस बीच जिले के उच्च अधिकारियों और खुद कुकी-जो समुदाय के विधायकों ने शांति के लिए अपील की। मगर इन सबका कोई असर नहीं पड़ा। सवाल है कि हिंसक टकराव में शामिल दोनों पक्षों के बरक्स सरकारी तंत्र को क्या इस बात की आशंका नहीं थी कि वहां जैसा माहौल अभी बना हुआ है, उसमें एक मामूली-सी चिंगारी भी फिर से हिंसा की आग को भड़का दे सकती है?

हिंसा और अराजकता को पूरी तरह रोकने और खत्म करने के प्रति सरकार की उदासीनता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि एक छोटे राज्य में हिंसा की शुरूआत के अब दो वर्ष होने जा रहे हैं और आज भी मुख्य समस्या के हल का कोई रास्ता सामने नजर नहीं आ रहा है। निश्चित रूप से यह स्थिति टकराव और हिंसा में शामिल समुदायों के बीच असंतोष के कायम रहने का नतीजा है, लेकिन समस्या का हल निकालने से लेकर हिंसा पर काबू पाने के सभी अधिकार हाथ में होने के बावजूद सरकार और उसका समूचा तंत्र इस मसले पर किन वजहों से पूरी तरह नाकाम दिखता है? मणिपुर में अब राष्ट्रपति शासन लागू है। मैतेई समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के मसले पर मैतेई और कुकी समुदायों के बीच शुरू हुई हिंसा पर केंद्र और राज्य सरकार की ओर से उठाए गए तमाम प्रयासों और दावों के बावजूद अब तक पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका है। अब अलग मुद्दों के साथ नए समुदायों के बीच जिस तरह का टकराव खड़ा हो रहा है, अगर समय रहते उसे थामने के लिए ईमानदार इच्छाशक्ति के साथ काम नहीं किया गया तो इसके नतीजों का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है।

आज का इतिहास – बढ़ता राजस्थान

22 मार्च की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

- आक्रमणकारी नादिर शाह ने 1739 में अपनी सेना को दिल्ली मे जनसंहार की इजाजत दी।
- पुएरटो रिको में 1873 में दास प्रथा को खत्म किया गया।
- सन 1882 में घातक संक्रामक बीमारी 'टीबी' की पहचान हुई।
- सन 1888 में इंग्लिश फुटबॉल लीग की स्थापना।
- रामचंद्र चटर्जी 1890 में पैराशूट से उतरने वाले पहले व्यक्ति बने।
- रूस की नई सरकार को मान्यता देने वाला अमेरिका 1917 में पहला देश बना।
- सन 1923 में पहली बार आइस हाकी मैच का रेडियो से प्रसारण।
- सर स्टैफोर्ड क्रिप्स के नेतृत्व में क्रिप्स मिशन 1942 में भारत आया।
- ब्रिटेन ने जॉर्डन को आजाद करने के लिए संधि पर 1946 में हस्ताक्षर किये।
- आखिरी वायसराय लार्ड लुईस माउंटबेटन 1947 में भारत आये।
- अमेरिका में मिशीगन के साउथफील्ड में 1954 में पहला शॉपिंग मॉल खोला गया।
- अमरीका में रंगभेद विरोधी नेता मार्टिन लूथर किंग को एक नस्लवादी कानून का विरोध करने के कारण 1956 में आज ही के दिन जेल हुई थी।
- शक पर आधारित राष्ट्रीय कैलेण्डर को 1957 से स्वीकारा गया।
- सोवियत संघ ने 1958 में नोवाया जेमलया में परमाणु परीक्षण किया।
- कोलकाता में सन 1964 में पुरानी कारों की पहली रैली 'विंटेज कार रैली' आयोजित।
- इंडियन पेट्रोकैमिकल्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड का 1969 में उद्घाटन।
- श्रीमती इंदिरा गांधी ने 1977 में प्रधानमंत्री के पद से इस्तीफा दिया।
- फ्रांस ने 1978 में परमाणु परीक्षण किया।
- इजरायल की संसद ने 1979 में मिस्र के साथ शांति संधि को मान्यता दी।
- नासा ने अपने अंतरिक्ष यान कोलंबिया को 1982 में तीसरे मिशन पर लिए रवाना किया।
- रूसी अंतरिक्ष यात्री वालेरी पेलियाकोव साढ़े चौदह माह के रिकार्ड अंतरिक्ष प्रवास के पश्चात् 1995 में पृथ्वी के लिए रवाना।
- जार्डन के शाह अब्दुल्ला ने 1999 में अपनी पत्नी राजकुमारी रानिया को आधिकारिक रूप से महारानी नामित किया।
- ब्रिटेन में गले के नीच पूरे शरीर में लकवे से ग्रस्त एक 43 साल की महिला को 2002 में इच्छा मृत्यु का अधिकार दिया गया।
- पाकिस्तान ने 2007 में हत्फ़-7 मिसाइल का परीक्षण किया।

22 मार्च को जन्मे व्यक्ति

- 1882 में उर्दू के प्रसिद्ध पत्रकार और समाज सुधारक मुंशी दयानारायण निगम का जन्म।
- 1894 में भारत की स्वतंत्रता के लिए चटगांव विद्रोह का सफल नेतृत्व करने वाले प्रसिद्ध क्रांतिकारी सूर्य सेन का जन्म।
- 1961 में 16वीं लोकसभा सांसद एवं वर्तमान जनजातीय मामलों के केंद्रीय मंत्री जुएल उरांव का जन्म।

जल दिवस विशेष : अतीत की गोद में सोए तालाब और बावड़ियाँ, बस पानी ही नहीं, कहानियों का खजाना

– डॉ. सत्यवान सौरभ

अगर हम तालाबों और बावड़ियों को सिर्फ़ पानी जमा करने की जगह समझते हैं, तो शायद हम उनके साथ न्याय नहीं कर रहे। ये सिर्फ़ जल-स्रोत नहीं, बल्कि सदियों की कहानियों, रहस्यों, परंपराओं और लोककथाओं के ज़िंदा गवाह हैं। पुराने तालाब और बावड़ियाँ इतिहास की किताब के वह पन्ने हैं, जिन पर समय की बूंदें टपकी हैं। अब जब हम पानी के संकट से जूझ रहे हैं, तब इन प्राचीन जल स्रोतों की अहमियत और भी बढ़ जाती है। आधुनिक टैंकर और बोरवेल के भरोसे रहने की बजाय अगर हम फिर से बावड़ियों और तालाबों को ज़िंदा करें, तो शायद आने वाली पीढ़ियाँ भी हमारी तारीफ़ करेंगी (और शायद तालाबों के किनारे बैठकर अपनी नई कहानियाँ रचेंगी) । तालाब और बावड़ियाँ हमारे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक परिदृश्य का अभिन्न अंग रही हैं। वे न केवल जल-संग्रहण के साधन थे, बल्कि समाज के सामूहिक जीवन, कला, स्थापत्य और आध्यात्मिक गतिविधियों से भी जुड़े हुए थे। आज के दौर में जल संकट एक गंभीर समस्या बन चुका है। जलवायु परिवर्तन, अनियंत्रित शहरीकरण और भूजल के अत्यधिक दोहन ने पानी की उपलब्धता को प्रभावित किया है। ऐसे में प्राचीन जल संरचनाओं, जैसे तालाब और बावड़ियों का पुनरुद्धार और संरक्षण अत्यंत आवश्यक हो गया है। तालाब और बावड़ियाँ हमारे पूर्वजों की अद्भुत जल प्रबंधन प्रणाली का हिस्सा रहे हैं। वर्तमान जल संकट को देखते हुए, इनका पुनरुद्धार और संरक्षण हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। यह न केवल जल उपलब्धता बढ़ाने में मदद करेगा, बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर को भी बचाएगा। यदि हम सामूहिक रूप से प्रयास करें, तो इन ऐतिहासिक जल स्रोतों को फिर से जीवंत किया जा सकता है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल संरक्षण सुनिश्चित किया जा सकता है।

अतीत की यादों में समाये तालाब और बावड़ियाँ केवल जल-स्रोत नहीं थे, बल्कि सांस्कृतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक धरोहर का प्रतीक भी थे। ये जल संरचनाएँ प्राचीन भारतीय समाज की जल प्रबंधन प्रणाली का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा थीं, जो हमें हमारे पूर्वजों की बुद्धिमत्ता और पर्यावरण के प्रति उनके सम्मान की याद दिलाती हैं। तालाब गाँवों और नगरों के जीवन का केंद्र हुआ करते थे। वर्षा जल संचयन, कृषि सिंचाई, मवेशियों की प्यास बुझाने और सामाजिक मेलजोल के लिए इनका उपयोग किया जाता था। तालाबों के किनारे मंदिर, घाट और धर्मशालाएँ बनाई जाती थीं, जहाँ लोग आध्यात्मिक शांति प्राप्त करने आते थे। कई स्थानों पर ये तालाब त्योहारों और मेलों का केंद्र भी बनते थे। प्राचीन भारत में जल को केवल एक संसाधन नहीं, बल्कि पूजनीय तत्व माना जाता था। इसलिए, जल स्रोतों को संरक्षित करने के लिए वैज्ञानिक और कलात्मक दृष्टिकोण अपनाया गया। राजाओं, रानियों, समाजसेवियों और मंदिर समितियों ने बड़े पैमाने पर तालाब और बावड़ियों का निर्माण कराया। इनका उद्देश्य जल संचयन के साथ-साथ सामाजिक समृद्धि और आध्यात्मिक शांति को बढ़ावा देना भी था। पुराने तालाबों के पास बैठकर अगर आप ज़रा ध्यान दें, तो आपको उनकी लहरों में इतिहास की हलचल महसूस होगी। कभी ये गाँव-शहरों की जान हुआ करते थे। गाँवों में तालाब के किनारे बुज़ुर्ग किस्से सुनाते, बच्चे खेलते और महिलाएँ पानी भरते हुए अपनी कहानियों की गहराइयों में खो जातीं। ये सिर्फ़ जल संरचनाएँ नहीं थीं, बल्कि सामाजिक मेलजोल के सबसे अहम केंद्र थे। बावड़ियाँ विशेष रूप से स्थापत्य कला का बेहतरीन उदाहरण थीं। इनका निर्माण इस प्रकार किया जाता था कि गर्मी के मौसम में भी पानी ठंडा बना रहे। राजस्थान और गुजरात में बनी बावड़ियाँ आज भी अपनी जटिल नक्काशी, मेहराबों, स्तंभों और मूर्तियों के कारण आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। बावड़ियाँ (सीढ़ीदार कुएँ) विशेष रूप से पश्चिमी और मध्य भारत में लोकप्रिय थीं। राजस्थान, गुजरात और मध्य प्रदेश में अनेक प्राचीन बावड़ियाँ देखने को मिलती हैं, जिनकी स्थापत्य कला अद्भुत होती थी। ये केवल जल संग्रहण का साधन नहीं थीं, बल्कि गर्मियों में ठंडी छाँव में बैठने और यात्रियों के लिए विश्राम स्थल का कार्य भी करती थीं। प्रसिद्ध बावड़ियों में चाँद बावड़ी (अभनेरी, राजस्थान) और रानी की वाव (पाटण, गुजरात) अपनी अद्वितीय सुंदरता के लिए प्रसिद्ध हैं। तालाब और बावड़ियाँ जल संचयन और भूजल पुनर्भरण का महत्त्वपूर्ण माध्यम थीं। जलवायु परिवर्तन और जल संकट के इस दौर में यदि हम इन पारंपरिक जल स्रोतों का पुनर्जीवन करें, तो यह न केवल भूजल स्तर को बढ़ाने में मदद करेगा, बल्कि बाढ़ जैसी समस्याओं को कम करने में भी सहायक होगा। आधुनिक शहरीकरण और बढ़ती उपेक्षा के कारण कई तालाब और बावड़ियाँ सूख चुके हैं या अतिक्रमण का शिकार हो गए हैं। कई जल स्रोत गंदगी और कचरे से भर चुके हैं, जिससे न केवल उनका ऐतिहासिक महत्त्व समाप्त हो रहा है, बल्कि पर्यावरण पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। सरकार और स्थानीय समुदायों को मिलकर पुराने जल स्रोतों की सफ़ाई करनी चाहिए। पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण के लिए ठोस कानूनी नीतियाँ बनाई जानी चाहिए। गांवों और शहरों में सामुदायिक प्रयासों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए ताकि लोग इन धरोहरों को संजोने में सक्रिय भाग लें। इन ऐतिहासिक स्थलों को पर्यटन के केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकता है, जिससे लोग इनके महत्त्व को समझें और संरक्षण के लिए प्रेरित हों। वर्तमान में कई शहर और गाँव पानी की कमी का सामना कर रहे हैं। भूजल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है क्योंकि वर्षा जल का संचयन सही तरीके से नहीं हो रहा है। यदि तालाबों और बावड़ियों को पुनर्जीवित किया जाए, तो वे भूजल को फिर से भरने में मदद कर सकते हैं, जिससे नदियों और कुओं का जल स्तर संतुलित रहेगा। कई क्षेत्रों में अत्यधिक वर्षा के कारण बाढ़ की समस्या उत्पन्न हो जाती है, जबकि अन्य क्षेत्रों में सूखा पड़ता है। यदि पारंपरिक जल स्रोतों का संरक्षण किया जाए, तो वर्षा जल को संग्रहित करके सूखे के दौरान इसका उपयोग किया जा सकता है। साथ ही, यह जल निकासी की भी एक प्रभावी प्रणाली बन सकती है। तालाब और बावड़ियाँ न केवल जल का स्रोत हैं, बल्कि स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने में भी मदद करते हैं। ये जलाशय पक्षियों, मछलियों और अन्य जलीय जीवों के प्राकृतिक आवास होते हैं। यदि इन्हें पुनर्जीवित किया जाए, तो जैव विविधता को भी संरक्षित किया जा सकता है। प्राचीन बावड़ियाँ और तालाब न केवल जल संरचनाएँ हैं, बल्कि वे हमारी सांस्कृतिक विरासत का भी एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा हैं। आज कई बावड़ियाँ और तालाब उपेक्षित पड़े हैं या कचरे से भर चुके हैं। इन्हें साफ़ कर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा सकता है, जिससे उनकी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान बनी रहे। यदि तालाब और बावड़ियों को फिर से उपयोग में लाया जाए, तो ग्रामीण और शहरी समुदायों को इससे सीधा लाभ मिलेगा। वे खेती, पशुपालन और दैनिक जीवन में जल संकट से बच सकेंगे। इसके लिए स्थानीय लोगों की भागीदारी भी सुनिश्चित करनी होगी ताकि वे स्वयं इनके संरक्षण की जिम्मेदारी लें।

किसान आंदोलन : विरोध की राह से भटकाव तक का सफर

– प्रो. आरके जैन

लोकतंत्र का असली सौंदर्य उसकी आजादी में छिपा है-वह आजादी जो हर नागरिक को अपनी बात कहने, अपनी असहमति जताने का हक देती है। यह अधिकार ही लोकतंत्र की धड़कन है, जो सत्ता को जनता के प्रति जवाबदेह बनाए रखता है और शासन को निरंकुश होने से रोकता है। लेकिन जब यही विरोध अपनी सीमाएं लांघकर तर्क और समाधान की राह छोड़ देता है, जब वह हठधर्मिता और टकराव का रंग ले लेता है, तो वह न केवल अपने मकसद से भटक जाता है, बल्कि समाज के लिए बोझ बन जाता है। किसान आंदोलन इसका सबसे ज्वलंत और दुखद उदाहरण है। यह आंदोलन, जो कभी किसानों की आवाज बनकर उभरा था, धीरे-धीरे संवाद की संभावनाओं को कुचलता हुआ अड़ियलपन और अव्यवस्था का पर्याय बन गया। इसने न सिर्फ कृषि सुधारों के सवाल को उलझाया, बल्कि देश के सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न किया और आर्थिक ढांचे को ठप कर दिया। सवाल यह है–यह आंदोलन कहां से शुरू हुआ, और कहां जाकर भटक गया?

किसान आंदोलन की शुरुआत 2020 में तब हुई, जब केंद्र सरकार ने तीन कृषि कानूनों को लागू किया। सरकार का दावा था कि ये कानून किसानों को बिचौलियों की जकड़न से आजादी देंगे, उन्हें खुले बाजार में अपनी उपज बेचने का मौका देंगे, और खेती को आधुनिक बनाकर उनकी आय बढ़ाएंगे। यह एक बड़ा सपना था—कृषि को 21वीं सदी की जरूरतों के मुताबिक ढालने का सपना। लेकिन किसानों के मन में शंकाएं पनपने लगीं। क्या ये कानून बड़े कॉरपोरेट घरानों के लिए रास्ता बनाएंगे? क्या न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की व्यवस्था, जो दशकों से उनकी आर्थिक रीढ़ रही है, खत्म हो जाएगी? ये डर जायज थे, क्योंकि भारत जैसे देश में खेती सिर्फ आजीविका नहीं, संस्कृति और भावनाओं का हिस्सा है। किसानों ने सड़कों पर उतरकर अपनी आवाज बुलंद की, और शुरुआत में यह विरोध एक सशक्त लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति के रूप में उभरा। सरकार ने इन शंकाओं को दूर करने की कोशिश की। कई दौर की वार्ता बुलाई गई, कानूनों में संशोधन का प्रस्ताव रखा गया, और यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट ने भी कमेटी बनाकर बीच का रास्ता निकालने की पहल की। लेकिन आंदोलनकारी अपनी मांगों पर अड़े रहे। उनकी जिद थी कि कानून पूरी तरह रद्द हों और एमएसपी को कानूनी गारंटी मिले। यह अड़ियल रुख धीरे-धीरे संवाद की हर गुंजाइश को निगल गया। दिल्ली की सीमाओं पर ट्रैक्टरों की कतारें लगीं, सड़कें महीनों तक जाम रहीं, ट्रकों की लंबी लाइनें ठहर गईं, व्यापार ठप हुआ, और आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। यह आंदोलन अब किसानों की लड़ाई से ज्यादा हठधर्मिता का प्रदर्शन बन चुका था। क्या यह वाकई किसानों के हित में था, या सिर्फ एक ऐसी जिद जो समाधान की बजाय समस्या को और गहरा रही थी? किसानों की सबसे बड़ी मांग थी कि एमएसपी को कानूनी दर्जा दिया जाए। पहली नजर में यह मांग भावनात्मक रूप से मजबूत और जायज लगती है। आखिर कौन किसान नहीं चाहेगा कि उसकी फसल का दाम तय हो, उसकी मेहनत की कीमत सुरक्षित रहे? लेकिन इस मांग का दूसरा पहलू उतना ही जटिल और चुनौतीपूर्ण है। अगर एमएसपी को कानून बना दिया जाए, तो सरकार को हर फसल को तय दाम पर खरीदना होगा—चाहे बाजार में उसकी मांग हो या न हो। इससे सरकारी खजाने पर भारी बोझ पड़ेगा, गोदामों में अनाज सड़ेगा, और कृषि बाजार का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ जाएगा। इतना ही नहीं, इससे किसानों में नवाचार की भावना कम होगी—नई फसलें उगाने, तकनीक अपनाने या बाजार की जरूरतों के हिसाब से बदलने की प्रेरणा खत्म हो जाएगी। सरकार ने इन खतरों को बार-बार सामने रखा, इसे अव्यावहारिक बताया, लेकिन आंदोलनकारियों के कानों पर जूं तक न रेंगी। यह हठ क्या हासिल कर रहा था—किसानों का भला, या सिर्फ एक असंभव सपने की खोज? इस पूरे प्रकरण में पंजाब सरकार की भूमिका भी कम दिलचस्प नहीं। जब किसान दिल्ली की

शख्सियत – बढ़ता राजस्थान

बृजेश मीणा
(पुलिस निरीक्षक,राज: पुलिस)

नमस्कार साथियों हमारी आज की शख्सियत कॉलम के स्टार हैं राजस्थान पुलिस के. जाँबाज इंस्पेक्टर बृजेश मीणा। बृजेश मूलत: गांव झीतरेडी थाना नगर जिला डीग के रहने वाले हैं। इनके पिताजी सेवानिवृत अध्यापक हैं। ग्रेजुएशन तक शिक्षा लेने के बाद 1994 में राजस्थान पुलिस के बेड़े में एक जाँबाज सिपाही के पद पर भर्ती हुए। पहली पोस्टिंग भिवाड़ी, राजगढ़ रही। इसके बाद 2006 में हैड कांस्टेबल पदौन्नत होकर हवलदार बने और पोस्टिंग भिवाड़ी, उद्योग नगर अलवर रही। इसके बाद 2010 में सहायक उप निरीक्षक बने और पोस्टिंग उद्योग नगर, नौगांवा, व सदर जिला अलवर रही। 2016 में उप निरीक्षक बने। पोस्टिंग कोतवाली अलवर रही और बतौर थानाधिकारी मंडावर,कोलवा, मंडावर दौसा लगे। खूब काम किया और लूट हत्या व अन्य आपराधिक मामलों में खूब खुलासे किए और नामचीन बदमाशों को उनके सही ठिकाने पहुँचाया ऐसे में प्रमोट होकर 2020 में पुलिस निरीक्षक पद पर आ गए और पोस्टिंग थानाधिकारी बोली, बामनवास सवाईमाधोपुर और टोडाभीम करौली रही वर्तमान में धौलपुर जिले के बसेड़ी थानाधिकारी के पद पर तैनात हैं। बहुत ही जाँबाज अधिकारी के रूप में इनकी छवि देखी जाती है। अलवर में सब इंस्पेक्टर कार्यकाल के दौरान इनकी शानदार कार्यशैली देखी गई। अपराधियों में भय व आमजन में विश्वास पुलिस के स्लोगन को बखूबी निभाते हैं बृजेश मीणा। टीम बढ़ता राजस्थान इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

रूपक शर्मा

2025_076 a – बढ़ता राजस्थान

Suduko

	7		1	3	9			5
3	9	5		2	8	7		
6	1	2	5	4	7		8	
9	3			1	5	6		8
		6				1	5	9
	5				6		7	
7	6	3						2
		4			2		9	
5	2	9		6	1			7

Ans_2025_075

9	7	5	8	3	2	1	4	6
1	6	4	7	5	9	2	8	3
2	8	3	4	1	6	7	5	9
4	2	8	3	7	5	9	6	1
6	1	9	2	8	4	3	7	5
3	5	7	9	6	1	8	2	4
5	9	6	1	2	7	4	3	8
7	3	1	6	4	8	5	9	2
8	4	2	5	9	3	6	1	7

कैसे खेलें

वर्ग को 1 से 9 तक अंकों से ऐसे भरें कि आड़ी व खड़ी पंक्ति के साथ ही 3 गुणा 3 के बॉक्स में 1 से 9 तक अंक आएं। काई अंक दुबारा नहीं आए।

आज का राशिफल

हमारे अनुभवी ज्योतिषियों की टीम के अनुसार आप कई विविध लक्ष्यों को पूरा करेंगे। क्या आप यह जानना चाहते है कि आपके जीवन के ऐसे कौनसे क्षेत्र है, जहां आपके सितारे बुलंद रहेंगे और दूसरी तरफ, अपको किस बातों से सावधान रहना चाहिए। हम न सिर्फ हमारे काम में और जटिल मुद्दों को सुलझाते वक्त सकारात्मक ऊर्जा को महसूस करेंगे, बल्कि पारम्परिक संबंधों में भी, जहां यह स्थानान्तरण हमें संताए और बातचीत में लाभ प्रदान करेगा

मेष

शारीरिक कष्ट, विशेषकर आंखों में पीड़ा होने की आशंका रहेगी। परिजनों और स्नेहियों के साथ किसी घटना की संभावना है। आपकी बात-चीत या व्यवहार से किसी को कोई भ्रम न हो इसका ध्यान रखें। आज कोई भी काम बिना विचारे नहीं करें।

वृष

समाज में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। मित्रों और स्वजनों के साथ घूमना-फिरना आनंदप्रद हो सकता है। परिवार के साथ अच्छा समय गुजरेगा। आज आपके लिए आर्थिक लाभ का दिन है। घर में शांति और आनंद का वातावरण रहेगा।

मिथुन

आज का दिन आपके लिए बहुत लाभकारी है। किसी अन्य तरीके से भी आर्थिक लाभ होगा। मित्रों के साथ मुलाकात हो सकती है। व्यापार में लाभ होगा। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कर्क

व्यापार के क्षेत्र में आपकी प्रतिभा बढ़ सकती है। पिता की संपत्ति से लाभ होगा। कला एवं खेल-कूद में निपुण व्यक्तियों को अपनी प्रतिभा दर्शाने का मौका मिलेगा। सरकार के साथ धन का व्यवहार सफल रहेगा। नौकरी करने वाले लोगों को लाभ मिलेगा।

सिंह

दुर्घटना में संभलना अनिवार्य है। आय की अपेक्षा खर्च अधिक होगा। मानसिक चिंता के कारण मन व्यग्र रहेगा। अनुचित कार्यो में शक्ति का व्यय होगा। आध्यात्मिकता और ईश्वरीय शक्ति आपकी सहायक सिद्ध होगी।

कन्या

विदेश जाने के लिए अनुकूल परिस्थितियों का निर्माण होगा। स्नेहीजनों के समाचार मिलने से आनंद होगा। भाई-बहनों से आर्थिक रूप से लाभ होगा। आप की वाणी पर संयम रखें। नियम विरुद्ध काम ना करें। संतान और जीवनसाथी से सुख मिलेगा।

तुला

जमीन जायदाद के काम में सावधानी रखें। आज आप का दिन बहुत शुभ है। धार्मिक कार्य एवं यात्रा के लिए समय अनुकूल है। मित्रों एवं सम्बंधियों से हुई मुलाकात के कारण आनंद होगा। मित्रों से लाभ होगा।

वृश्चिक

आज का दिन शुभ फलदायी है। आपकी रचनात्मक और कलात्मक शक्तियों में वृद्धि होगी। मानसिक रूप से आज आप वैचारिक स्थिरता का अनुभव करेंगे। इसके परिणामस्वरूप आप लगन के साथ काम कर पाएंगे।

धनु

चिंता से मुक्ति का अनुभव करेंगे। मित्रों के साथ किसी प्राकृतिक स्थान पर जाने की योजना बन सकती है। आज का दिन भोजन सुख के लिए अच्छा है। आपके दृढ़ मनोबल और भरपूर आत्मविश्वास से हर काम सफलतापूर्वक संपन्न होंगे।

मकर

ईश्वर की आराधना एवं आध्यात्मिकता आपके मन को शांति प्रदान कर सकती है। आज आप दैनिक कामों से दूर आनंद-प्रमोद में खोए रह सकते हैं। किसी मनोरंजन स्थल या पर्यटन स्थल पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

कुंभ

अपने उत्तदायित्व अच्छी तरह से निभा पाएंगे। आर्थिक योजना बना सकेंगे। आभूषण, सौंदर्य प्रसाधन और मनोरंजन के पीछे खर्च होगा। परिवार के सदस्यों के साथ आनंदपूर्वक समय बीतेगा। आप के आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

मीन

आज आप खर्च में संयम बनाए रखें। धन संबंधी एवं लेन-देन संबंधी सभी कामों में सावधानी रखने की जरूरत है। किसी के साथ विवाद न हो, इसका ध्यान रखें। मित्रों एवं परिवारजनों के साथ मनमुटाव होने की आशंका बनी रहेगी। नए संबंधों से नुकसान हो सकता है।

जिला कलक्टर ने श्यामपुरा में रात्रि चौपाल कर सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

हीरा मीणा एवं कंचन देवी मौके पर ही मिली पेंशन स्वीकृति

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं की सुनवाई कर उनके त्वरित समाधान व निराकरण के उद्देश्य से पंचायत समिति सवाई माधोपुर की ग्राम पंचायत श्यामपुरा के भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र में जिला कलक्टर शुभम चौधरी की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता की उपस्थिति रात्रि चौपाल का आयोजन हुआ।

जिला कलक्टर शुभम चौधरी एवं पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता ने रात्रि चौपाल में उपस्थित ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर संबंधित विभागीय अधिकारियों को मौके पर परिवादों के निस्तारण के निर्देश प्रदान किए। रात्रि चौपाल में परिवादी मुकेश शर्मा ने कोली मोहल्ले में पानी की पाइपलाइन नहीं होने की शिकायत की इस पर कलक्टर ने अधीक्षण अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग भगवान सहाय मीणा को प्रकरण की जांच कर कोली मोहल्ले में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किए।

कलक्टर ने कहा कि सरकार का उद्देश्य हर घर नल से जल पहुंचाना है जिन घरों में अभी तक नल कनेक्शन नहीं हुए है उन्हें जल जीवन मिशन से जोड़ने हेतु प्रस्ताव तैयार कर भिजवाने के निर्देश दिए। वहीं परिवादी बाबूलाल मीणा द्वारा पशु चिकित्सालय भवन श्यामपुरा में पशु चिकित्सक लगाने की गुहार लगाई इस पर संयुक्त निदेशक पशुपालन विभाग डॉ. राजीव गर्ग ने कलक्टर को अवगत कराया कि सप्ताह में 3 दिन कुण्डेरा पशु चिकित्सक की ड्यूटी लगा दी गई है।

मौके पर ही हुआ समाधान : रात्रि चौपाल में परिवादी हीरा मीणा एवं कंचन देवी ने जिला कलक्टर को सामाजिक सुरक्षा पेंशन नहीं मिलने के बारे में अवगत कराया, जिस पर जिला कलक्टर के निर्देशानुसार विकास अधिकारी जगदीश प्रसाद मीणा ने तुरंत आवेदन तैयार करते हुए सत्यापन उपरांत मौके पर ही पेंशन स्वीकृतियां जारी कर पेंशन पीपीओ वितरित करवाया।

फार्मर रजिस्ट्री शिविर में पंजीकरण करवाने की अपील

इस दौरान जिला कलक्टर ने ग्रामीणों से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का निरंतर लाभ प्राप्त करने के लिए किसान रजिस्ट्री शिविरों में सभी आवश्यक दस्तावेज साथ लेकर जाने व शत-प्रतिशत पंजीकरण करवाने की अपील की। जिला पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता ने ग्रामीणो से ईद, रामनवमी, नवरात्रा स्थापना आदि त्यौहार भाई-चारे के साथ मनाकर सामाजिक सौहार्द एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन का सहयोग करने की बात कहीं। उन्होंने कहा कि अनुमति लेकर पूर्व में निर्धारित मार्गो से ही शोभायात्रा-जुलूस निकाले। इसके साथ ही उन्होंने ग्रामीणों को साइबर अपराध के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि बच्चों को साइबर अपराध से दूर रखकर शिक्षा के क्षेत्र में आगे लाये व साइबर अपराध के प्रति सतर्क रहे और किसी भी प्रकार के लालच में न आये। रात्रि चौपाल में मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुडानिया, उपखंड अधिकारी अनुप सिंह, विकास अधिकारी जगदीश प्रसाद मीणा, सीएमएचओ डॉ. अनिल जैमिनी, तहसीलदार सवाई माधोपुर नीरू सिंह, अधीक्षण अभियंता विद्युत विभाग बी.एल. मीणा, अधीक्षण अभियंता जलदाय विभाग भगवान सहाय मीणा सहित जिला एवं ब्लाक स्तरीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे ।

यूडी टेक्स वसूली अभियान के अन्तर्गत सात संस्थानो से हुई 7 लाख रूपये की वसूली

बकायादारो को तीन दिन में जमा करवाने की दी चेतावनी बाद में नियमानुसार कड़ी कार्रवाई के दिए संकेत

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (कृष्णचन्द्र विजय)। नगरपालिका मालपुरा द्वारा स्वायत शासन विभाग के निर्देशानुसार संचालित यूडी टेक्स वसूली अभियान के अन्तर्गत सात संस्थानो से 6 लाख 71 हजार 830 रूपये की वसूली की जा चुकी है। वहीं पालिका ने यूडी टेक्स के बकायादारो को शीध्र टेक्स जमा करवाने की चेतावनी देते हुए जमा नहीं करवाने पर नियमानुसार व विभाग के निर्देशानुसार कड़ी कार्रवाई की जानकारी दी है।

उपखण्ड अधिकारी एवं नगरपालिका मालपुरा के अधिशासी अधिकारी अमित कुमार चौधरी ने बताया कि स्वायत शासन विभाग की अधिसूचना की पालना में नगरपालिका मालपुरा क्षेत्र के 300 वर्गगज से अधिक आवासीय व 100 वर्गगज से अधिक वाणिज्यक दुकानो/मकानो से नगरीय विकास कर की वसूली की जानी है। जिसके लिए पालिका प्रशासन की ओर से अभियान चलाया गया है। अभियान के अन्तर्गत अब तक शहर के सात पेट्रोल पम्पो से कुल 6 लाख 71 हजार 830 रूपये की वसूली की जा चुकी है। वसूली के दौरान अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी जयनारायण जाट, कनिष्ठ सहायक मोहित विजय, कनिष्ट तकनीकी सहायक कनिष्क कुमावत, जमादार राजेश, सहित अन्य कई पालिका कर्मी मौजुद रहे। चौधरी ने बताया कि बकाया यूडी टेक्स जमा नहीं होने की स्थिति में राजस्थान नगरपालिका अधिनियम 2019 की धारा 131 की उपधारा (1) के तहत कार्रवाई का प्रावधान निहित है। पालिका क्षेत्रवासियो को चेतावनी दी जाती है कि विभागीय जारी अधिसूचना के अनुसार दुकानो/मकानो इत्यादि का बकाया नगरीय विकास कर तीन दिन की अवधि में पालिका कोष में जमा करवा कर रसीद प्राप्त कर लेवें। इसके बाद सम्बन्धित बकायादारो के विरूद्ध राजस्थान नगरपालिका अधिनियम 2019 की धारो के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिसके लिए सम्बन्धित स्वयं जिम्मेदार होगा।

देवनारायण जन्मोत्सव पर भक्तिमय माहौल, भजन संध्या में झूमे श्रद्धालु

बढ़ता राजस्थान

नटवाड़ा (नि.स.)। गांव मंडावर के देवडूंगरी मंदिर में लोकदेवता श्री देवनारायण महाराज के 1113वें जन्मोत्सव पर तीन दिवसीय वार्षिक मेले का आयोजन हुआ। मंदिर में दिनभर धार्मिक अनुष्ठान चलते रहे। जयकारों की गूंज और पूजा-अर्चना से माहौल भक्तिमय बना रहा। दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। आसपास के दर्जनों गांवों से गुर्जर समाज के लोग पैदल यात्रा कर झंडे लेकर मंदिर पहुंचे। परिक्रमा कर भगवान देवनारायण के दर्शन किए। गुरुवार रात प्रतिभा सम्मान समारोह और विशाल भजन संध्या हुई। इसमें बोर्ड परीक्षाओं में सर्वोच्च अंक लाने वाले और उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रतिभाशाली लोगों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान प्रतिनिधि हंसराज फागणा और पंचायत समिति सदस्य संतोष यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। फागणा ने कहा कि सम्मान से प्रतिभाएं निखरती हैं और आगे बढ़ने का हौसला मिलता है। धार्मिक आयोजनों से मन को शांति मिलती है और आपसी भाईचारा बढ़ता है। भजन संध्या की शुरुआत गायक धारासिंह गोज्यारी ने आओ-आओ जी गजानंद प्यारा... गणेश वंदना से की। इसके बाद गुरु वंदना और देवनारायण जी के भजनों से उनकी महिमा का बखान किया।

गोज्यारी ने मंडावर में लागे जयकारो म्हारो देवनारायण को..., भक्त के बस में हैं भगवान..., क्या लेके आया बंदे, क्या लेके तू जाएगा... जैसे भजन गाकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।इसके बाद कलाकार भरत राजमाणा ने धन्य है तेरी कारीगरी दुनिया के भगवान..., क्यों लगावे शोक छिनी जिंदगी दारू ने..., मात-पिता की सेवा कर ले, मत बन दास लुगाई को... जैसे भजनों से युवा पीढ़ी को संदेश दिया। इस अवसर पर मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष चौथमल छाबड़ी, लक्ष्मीनारायण यादव, गोपाल गुर्जर, कजोड़ गुर्जर, रामस्वरूप गुर्जर सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। मेले में मण्डावर, पराना, हतौना, गोपालपुरा, शुक्लपुरा, भांची-देवली, सीतारामपुरा, कंवरपुरा और सिरस के लोगों ने भाग लिया।

पालिका क्षैत्र में शामिल हुए पंचायत क्षैत्रो को पंचायत राज विभाग ने किया पंचायत राज विभाग से पृथक

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (नि.स.)। मालपुरा नगरपालिका क्षेत्र का विस्तार होने व क्षेत्र की दो नवगठित नगरपालिकाओं लाम्बाहरिसिंह व डिग्गी का सीमा विस्तार होने के बाद ग्रमीण विकास एवं पंचायती राज विभाग ने नगरपालिकाओं में शामिल ग्रामीण क्षेत्रो को पंचायती राज विभाग से पृथक करने की अधिसूचना जारी की गई है। ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज विभाग की ओर से एक अधिसूचना जारी की गई है। इस अधिसूचना में स्वायत शासन विभाग की ओर से पूर्व में जारी अधिसूचना के अनुसार नगरपालिका मालपुरा सीमा क्षेत्र का विस्तार कर क्षेत्र की बृजलालनगर ग्राम पंचायत का सम्पूर्ण सीमा क्षैत्र, ग्राम पंचायत राजपुरा का राजस्व ग्राम हाथकी, ग्राम पंचायत सिंधोलिया का राजस्व ग्राम मालियो की दोराई, नायको की ढाणी, बैरवा की दौराई का सम्पूर्ण सीमा क्षैत्र, ग्राम पंचायत रीण्डलिया बुजुर्ग का राजस्व ग्राम धानोता, कल्याणपुरा का सीमा क्षैत्र, ग्राम पंचायत टोरड़ी का राजस्व ग्राम अम्बापुरा मय ढाणियां, टोरड़ी स्टेशन मुवालो की ढाणी का सम्पूर्ण सीमा क्षेत्र, ग्राम पंचायत डूंगरीकला का राजस्व ग्राम अजमेरो की ढाण जाजमो की ढाणी का क्षैत्र, ग्राम पंचायत चांदसेन का राजस्व ग्राम सूईवालो की ढाणी, नागौरियो की ढाणी, अविकानगर का क्षैत्र, ग्राम पंचायत देशमां का राजस्व ग्राम पीनणी, लक्ष्मीपुरा, श्योपुर के सीमा क्षैत्र को नगरपालिका मालपुरा की वर्तमान सीमा क्षैत्र में शामिल किए जाने के चलते पंचायत राज विभाग ने विभाग की सीमा से पृथक कर दिया गया है।

इसी तरह नवगठित नगरपालिका डिग्गी में शामिल किए गए किरावल ग्राम पंचायत राजस्व ग्राम कुरथल का सम्पूर्ण सीमा क्षैत्र, ग्राम पंचायत धोली का जयसिंहपुरा, भीपुर , कल्याणपुरा नुक्कड़, मालियो की ढाणी, मीणो की ढाणी का सम्पूर्ण सीमा क्षैत्र एवं ग्राम पंचायत सोड़ा का राजस्व ग्राम बागरियो की ढाणी के सम्पूर्ण सीमा क्षैत्र को नगरपालिका डिग्गी में शामिल कर लिए जाने के बाद इन सभी क्षैत्रो को पंचायत राज विभाग की सीमा से पृथक कर दिया गया है।

माहे रमजान मुबारक़ का तीसरा जुम्मा अदा किया खुदा की बारगाह में झुके सेकड़ो शीश

बढ़ता राजस्थान

देवली (गोविंद सिंह सेठी) । रमजान माह के चलते शहर के मुस्लिम समाज ने माहे मुबारक़ रमज़ान करीम के तीसरे जुम्मे की नामज स्थानीय सभी मस्जिदों मे अता की गई। इस दौरान खुदा की बारगाह मे इबादत पर सैकड़ो शीश झुके । समाज के मोहम्मद इदरीश ने बताया कि अल अंसार मस्जिद के इमाम मुफ़्ती फारुख लोहार नदवी ने रोज़े के तीसरे अशरे (अंतिम दस दिवस) 20 से लेकर 30 वे रोजे पर रौशनी डाली। इस अवसर पर कहाँ की रमजान शरीफ का तीसरा अशरा जहन्नुम से निजात (नर्क से मुक्ति) का है। इसमें हमें अपने गुनाहों की रब से तोबा (माफी) मांगनी चाहिए। और नेक कार्य करने चाहिए। तो वहीं गरीब लोगों में दान पुण्य करना चाहिए। नकवी ने मोमिनो से यह भी कहां की खाली भूखे प्यासे रहने का नाम रोजा नहीं हैं। बल्कि एक अहसास तकवा,परहेज़ त्याग क़ा नाम ही रोज़ा होता है। उन्होंने अंतिम दस रोजे की पाक रातों लेलतुल कद्र के बारे में भी बताया कि हमें माहे रमज़ान की 21 से लेकर 29,वे रोजे की पाक रातों मैं रब की खूब इबादत करना चाहिए यह माहे रमज़ान की राते सैकड़ों रातों से अफजल उत्तम शुभ राते होती है। नमाज ए जुमा के बाद वतन की खुशहाली अमन चैन सौहाद्र पुर्वक त्योहार मानना चाहिए इस अवसर पर मोमिनो ने नमाज अदा करते हुए अपनी-अपनी इबादत में भारत देश के विश्व गुरु बनने की दुआएं की गई।

ई-केवाईसी अवश्य करवाएं राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के लाभार्थी

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजनान्तर्गत चयनित समस्त लाभार्थियों को पूर्ण रूप से लाभ दिलवाने हेतु खाद्य विभाग, जयपुर द्वारा ई-केवाईसी अभियान द्वारा समस्त लाभार्थियों की ई-केवाईसी उचित मूल्य दुकानदारों के माध्यम से पूर्ण करवायी जा रही है। जिला रसद अधिकारी रामभजन मीना द्वारा बताया कि इसके पश्चात भी एनएफएसए के राशनकार्डो में 01 वर्ष से 5 वर्ष के बच्चें जिनका आधारकार्ड नही बना है , 05 से 10 वर्ष के आयु के बच्चों का आधारकार्ड बॉयोमैट्रिक अपडेट नही है, ऐसे लाभार्थी जिनका अधिक आयु / शारीरिक अक्षमता के कारण बॉयोमैट्रिक सत्यापन नही हो पाता, ऐसे लाभार्थी जो ईलाज के चलते चिकित्सालयों मे भर्ती है, लाभार्थी जो कैदी है , शारिरिक रूप से विंकलाग, मानसिक रूप से अविकसित, लम्बे समय से बीमारी के कारण शैया पर रहने वाले रोगी , लाभार्थियों को ई-केवाईसी के अभाव में राशन सामग्री प्राप्ति मे हो रही समस्याओं का निराकरण करते हुए खाद्य विभाग द्वारा उक्त सभी पात्र लाभार्थियों हेतु जिला स्तर पर E-kyc E&empt Category का विकल्प उपलब्ध कराया गया है ताकि उक्त उपभोक्ताओं को राशन सामग्री सुगमता से उपलब्ध करायी जा सके। उन्होने बताया कि ऐसे कोई भी पात्र लाभार्थी अपने आधारकार्ड, राशनकार्ड के साथ अपने सम्बन्धित क्षेत्र के प्रवर्तन अधिकारी/निरीक्षक अथवा जिला रसद कार्यालय में सम्पर्क करें , और लाभार्थी के E-kyc E&empt में होने का प्रमाण स्वयं / परिवारजन (स्वयं के उपस्थित नही होने की स्थिति में) द्वारा प्रस्तुत कर सकते है।

लाम्बाहरिसिंह स्वर्णकार समाज का होली मिलन समारोह सम्पन्न

लाम्बाहरिसिंह भाजपा मण्डल के नए अध्यक्ष का किया समाज की ओर से अभिनन्दन

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (कृष्णचन्द्र विजय)। मालपुरा क्षैत्र के लाम्बाहरिसिंह स्थित लक्ष्मणनाथ जी के मन्दिर में शीतला सप्तमी के मौके पर मेढ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज की ओर से सम्पतराम मांडन की अध्यक्षता में होली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में टोंक जिला मेढ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज एवं ज्वैलर्स एसोशियसन के जिलाध्यक्ष रामप्रसाद तूणगर व लाम्बाहरिसिंह भाजपा मंडल के नए अध्यक्ष सुनील कुमार मांडण सरपट भैया का समाज की ओर से साफा बंधवा कर व मालाऐं पहना कर अभिनन्दन किया गया। इस दौरान ओमप्रकाश मांडण, महावीर तूणगर, रामप्रकाश मांडण, सत्यनारायण, हंसराज, शिवप्रसाद, मुकेश कुमार, रामराय, रामजी सटावता, जयप्रकाश, मुकेश रजनीश सहित अन्य कई समाजबंधु मौजुद रहे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष दीक्षित ने राजकीय सम्प्रेषण एवं किशोर गृह का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) सवाई माधोपुर देवेन्द्र दीक्षित ने शुक्रवार को राजकीय सम्प्रेषण एवं किशोर गृह सवाई माधोपुर का निरीक्षण किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष ने राजकीय सम्प्रेषण एवं किशोर गृह में बाल अपचारियों की संख्या, उनके मुकदमों, स्वास्थ्य जांच, परिजनों से मिलने का समय, संस्था में पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था, बाल अपचारियों को प्रदान भोजन, पेयजल एवं चिकित्सकीय सुविधाओं, बाल अपचारियों की काउंसलिंग हेतु परामर्शदाता, उनकी दिनचर्या, बाल अपचारियों के अपराध सुधार हेतु किए जा रहे प्रयासों आदि के संबंध में निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

साथ ही न्यायमित्रों द्वारा बाल अपचारियों के प्रकरणों में की गई कार्यवाही, बाल अपचारियों को प्रदान निःशुल्क विधिक सहायता आदि के संबंध में पूछताछ की गई। दौराने निरीक्षण कुल 06 बाल अपचारी पाये गये। अध्यक्ष देवेन्द्र दीक्षित ने बाल अपचारियों को साइबर क्राइम एवं अन्य अपराधों से दूर रहने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर समीक्षा गौतम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर, अरविन्द कुमार प्रिंसीपल मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड, राजकीय सम्प्रेषण एवं किशोर गृह के अधीक्षक विमलेश शर्मा, काउंसलर गिर्राज प्रसाद शर्मा एवं अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

मॉडल स्कूल में प्रवेश सूची जारी

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (कृष्णचन्द्र विजय)। सदरपुरा रोड स्थित स्वामी विवेकानन्द राजकीय मार्डल स्कूल में कक्षा 1 से 5 तथा कक्षा 6 से 8 तक में प्रवेश के लिए सूची जारी कर दी गई। प्रधानाचार्य हंसराज जाट ने बताया कि विभागीय निर्देशानुसार शुक्रवार को प्रवेश सूची जारी जानी थी। इन निर्देशो की पालना में शुक्रवार को प्रधानाचार्य कक्ष में प्रवेश प्रक्रिया सम्पन्न की गई। इस दौरान चयन समिति अतिरिक्त खंड मुख्य शिक्षा अधिकारी बाबूलाल गुप्ता, प्राचार्य हंसराज जाट, राउमावि की प्रधानाचार्य अलका पारीक, देशमा सरपंच रामचरण चौधरी मौजुद रहे। इस मौके पर एक नन्ही छात्रा अवनी व्यास द्वारा लाटरी निकाली गई। शिक्षक अरविन्द त्रिपाठी ने बताया कि चयन व प्रवेश प्रक्रिया में विद्यालय में कार्यरत शिक्षक बाबूलाल डूडी व शिक्षिका अदिति गोयल का पूर्ण सहयोग रहा।

जिले के अल्पसंख्यक संस्थानों में ऋषभदेव जयंती मनाई

बढ़ता राजस्थान

टोंक, (का.स.)। भगवान ऋषभदेव के जन्म एवं दीक्षा कल्याणक के उपलक्ष्य में जिले के अल्पसंख्यक संस्थानों में शुक्रवार को विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी नितेश कुमार जैन ने बताया कि जैन धर्म के प्रवर्तक देवाधिदेव भगवान ऋषभदेव के जन्म एवं दीक्षा कल्याणक के उपलक्ष में जिले के अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालय, बालक छात्रावास एवं समस्त अल्पसंख्यक दर्जा शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों को भगवान ऋषभदेव के सत्य, अहिंसा, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह के संदेश के साथ संपूर्ण विश्व में तपस्या, धर्म और न्याय की स्थापना के पवित्र संदेश को प्रसारित किया गया।

जयपुर के 2 लाख 76 हजार से ज्यादा किसानों को मिली 11 अंकों की विशिष्ट पहचान

सबसे ज्यादा फार्मर आईडी जारी करने वालों जिलों में जयपुर जिला अव्वल

- प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के 79 फीसदी से ज्यादा लाभार्थियों का हुआ रजिस्ट्रेशन
- किसान रजिस्ट्री शिविरों में ग्रामीणों को अन्य विभागीय योजनाओं का भी मिल रहा लाभ

बढ़ता राजस्थान

जयपुर, (का.स.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार जयपुर जिले में ग्राम पंचायतवार पर किसान रजिस्ट्री शिविरों का सफल आयोजन किया जा रहा है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी खुद किसान रजिस्ट्री शिविरों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। अतिरिक्त जिला कलक्टर (चतुर्थ) श्री देवेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि जयपुर जिले में अब तक आयोजित किसान रजिस्ट्री शिविरों में 2 लाख 76 हजार 91 किसानों का रजिस्ट्रेशन किया जा चुका हैं एवं 2 लाख 76 हजार 2 किसानों को 11 अंकों की विशिष्ट पहचान उपलब्ध करवाई जा चुकी है। जिसके बाद जयपुर प्रदेश में सबसे ज्यादा किसान आईडी जारी करने वाला जिला बन गया है। वहीं, जयपुर जिले में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के कुल लाभार्थियों में से अब 79 फीसदी से ज्यादा लाभार्थियों का किसान रजिस्ट्री शिविरों का रजिस्ट्रेशन किया जा चुका है।

उन्होंने बताया कि शिविरों के सफल आयोजन के लिए जिला कलक्टर के निर्देशों की अनुपालना में जिला स्तरीय हेल्प डेस्क का संचालन किया जा रहा है। अपनी ग्राम पंचायत में शिविर के आयोजन सहित अन्य जानकारियां हासिल करने के लिए आमजन एवं किसान दूरभाष नंबर 0141-2209905, 0141-2209906 पर संपर्क कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर किसान रजिस्ट्री शिविरों में लाभार्थियों की सुविधा के लिए सभी आवश्यक इंतजाम किये गए हैं। शिविर में किसान आईडी तैयार करने के साथ साथ प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, मुख्यमंत्री आरोग्य आयुष्मान योजना, किसान क्रेडिट कार्ड मंगला पशु बीमा योजना, पशु टीकाकरण, पशु चिकित्सा एवं उपचार सहित पशुपालन विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग सहित अन्य विभागों की योजनाओं से भी किसानों को लाभांवित किया जा रहा है।

प्रातः 9:30 बजे से सायं 5:30 बजे तक हो रहा है शिविरों का आयोजन

एग्रीस्टैक योजनांतर्गत जयपुर में किसान रजिस्ट्री अभियान का आयोजन ग्राम स्तर पर 31 मार्च 2025 तक किया जा रहा है। इसके तहत ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित शिविरों में किसानों की विशिष्ट किसान आईडी बनाई जा रही है। शिविरों का आयोजन प्रातः 9:30 बजे से सायं 5:30 बजे तक किया जा रहा है।

अभियान के अंतर्गत प्रत्येक किसान को विशिष्ट फार्मर आईडी 11 अंकों की प्रदान की जा रही है। किसानों द्वारा आईडी बनवाने के लिये आधार कार्ड, जमाबंदी, मोबाईल नम्बर की जरूरत होगी। भविष्य में किसानों को सरकारी योजनाओं व सेवाओं तक आसान पहुंच करने, प्रधानमंत्री किसान/मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, कृषि विभाग की अन्य योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिये फार्मर रजिस्ट्री के माध्यम से प्राप्त आईडी उपयोगी होगी।

डांगी ने की निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अराजपत्रित से की वार्ता

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग अराजपत्रित जयपुर को आज डॉ सुरेंद्र डांगी कर्मचारी नेता ने मुलाकात कर नर्सिंग अधिकारी से वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी प्रमोशन पर समस्त वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारियों को जोधपुर में ही यथा स्थान रखने के लिए माननीय निदेशक महोदय से मांग की। निदेशक महोदय ने आश्वासन देते हुए बताया कि यथा संभव सभी वरिष्ठ नरसिंह अधिकारियों को अपने कर्तव्य स्थान पर ही समायोजित करने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन के महेश शर्मा भी मौजूद रहे।

राज्यपाल ने प्रदेशवासियों से अर्थ ऑवर डे में सहभागिता के लिए की अपील, राजभवन में शनिवार रात्रि 8.30 बजे से 9.30 बजे तक बंद रहेंगे बिजली उपकरण

बढ़ता राजस्थान

जयपुर, (का.स.)। अर्थ ऑवर डे (22 मार्च) पर शनिवार को राजभवन में रात्रि 8.30 बजे से 9.30 बजे तक सभी गैर-जरूरी विद्युत प्रकाश उपकरण बंद रखे जाएंगे। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने आम जन से भी अपील की है कि एक घंटे के लिए गैरजरूरी लाइट्स को बंद रखकर अर्थ ऑवर डे में सभी सहभागिता निभाएं। उन्होंने कहा कि इससे सामूहिक तौर पर ऊर्जा संरक्षण की दिशा में हम सार्थक पहल कर पाएंगे। पर्यावरण संरक्षण के लिए भी यह हम सबकी महत्ती पहल होगी। उल्लेखनीय है कि बिजली बचाने के मकसद से विश्व भर में 'अर्थ ऑवर डे' मनाया जाता है। यह अर्थ ऑवर वर्ल्ड वाइड फंड का एक अभियान है। इसका मकसद लोगों को बिजली के महत्व के प्रति और पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागरुक करना है।

पीएम श्री योजना में चयन हेतु आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ – 24 मार्च तक ऑनलाइन पोर्टल पर कर सकते हैं आवेदन

बढ़ता राजस्थान

जयपुर, (का.स.)। पीएम श्री योजना के तहत चयन प्रक्रिया के सातवें चरण की आवेदन प्रक्रिया 21 मार्च से प्रारंभ हो गई है। पात्र बेंचमार्क स्कूल द्धह्लह्लश्चह्य्र//श्चद्वह्यद्धह्म्द्वह्यष्द्धश्शद्यह्य.द्दश्रह्वष्ठ्ठ-ह्लद्बशठ्ठ.द्दश्1.द्बठ्ठ पोर्टल पर 24 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद, श्रीमती अनुपमा जोरवाल ने बताया कि आवेदन के बाद जिला स्तर पर सत्यापन प्रक्रिया 25 मार्च तक पूर्ण की जाएगी। इसके पश्चात राज्य स्तर पर सत्यापन एवं अनुमोदन की अंतिम तिथि 28 मार्च निर्धारित की गई है। अंतिम चयन भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा 1 अप्रैल तक किया जाएगा।

जोरवाल ने बताया कि राज्य के 5221 बेंचमार्क स्कूल इस चरण में आवेदन करने के पात्र हैं। बैंचमार्क विद्यालयों की अंतिम सूची भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि पीएम श्री योजना के तहत देशभर में 14,500 से अधिक पीएम श्री विद्यालयों की स्थापना का लक्ष्य है, जिनके माध्यम से विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। वर्तमान में राज्य में 639 पीएम श्री विद्यालय संचालित हैं।

पूर्ण भव्यता से मनाया जाए राजस्थान दिवस और गणगौर का त्यौहार - उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी

गोविन्द देवजी मंदिर का होगा जीर्णोद्धार

बढ़ता राजस्थान

जयपुर, (का.स.)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में शुक्रवार को पर्यटन भवन में पर्यटन शासन सचिव रवि जैन की उपस्थिति में सामान्य समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें उन्होंने राजस्थान दिवस को भव्यता से मनाने के निर्देश दिए। दिया कुमारी ने इस सम्बन्ध में चर्चा कर अधिकारियों को सभी तरह की तैयारी मुस्तैदी से करने के निर्देश दिए। उन्होंने इसके साथ ही संस्कृति और परंपराओं के त्यौहार गणगौर को भव्यता से मनाने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्थान आने वाले पर्यटकों की सुविधा के लिए ऑनलाइन ऐप जल्द तैयार की जाए। जिससे पर्यटकों को सभी तरह की पर्यटन सूचनाएं प्राप्त हो सके साथ ही पर्यटन सम्बंधित मदद भी प्राप्त कर सके। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पर्यटन विभाग से सम्बंधित बजट घोषणाओं पर बिंदुवार चर्चा कर उनके क्रियान्वयन के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं की समयबद्धता से पालना सुनिश्चित की जाए।सामान्य समीक्षा बैठक में अतिरिक्त निदेशक पर्यटन तथा अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। दिया कुमारी ने गोविन्द देव जी मंदिर के श्रद्धालुओं के लिए आधारभूत सुविधाओं के विकास के दिए निर्देश उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने गोविन्द देव जी मंदिर के सौंदर्यकरण और जीर्णोद्धार हेतु शुक्रवार को मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण किया। दिया कुमारी ने श्रद्धालुओं के लिए आधारभूत सुविधाओं के विकास के सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

जीएनआईओटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस ग्रेटर नोएडा द्वारा राजस्थान के विद्यार्थियों के समग्र विकास पर जोर

बढ़ता राजस्थान

जयपुर, (का.स.)। दिल्ली-एनसीआर के ग्रेटर नोएडा स्थित जीएनआईओटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस (जीआईएमएस) ने शुक्रवार को जयपुर में आयोजित एक कार्यक्रम के अंतर्गत राजस्थान की शिक्षा प्रणाली के क्षेत्र में अपनी नई पहल की घोषणा की। इस पहल का उद्देश्य राजस्थान के विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और व्यावसायिक कौशल के साथ सशक्त बनाना है।

जीआईएमएस के सीईओ स्वदेश कुमार सिंह ने कहा, हमारा उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को समग्र रूप से विकसित करना है ताकि वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकें। हमारा संस्थान छात्रों को उद्योग की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुसार तैयार करता है और उन्हें व्यावहारिक ज्ञान और तकनीकी दक्षताओं से लैस करता है। निदेशक डॉ. भूपेन्द्र कुमार सोम ने संस्थान की विभिन्न पहलों की सराहना करते हुए कहा, हमारी शिक्षा प्रणाली केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि हम विद्यार्थियों के व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास पर भी ध्यान केंद्रित करते हैं। हमारे विशेष कार्यक्रमों के माध्यम से छात्र तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता भी विकसित कर सकते हैं।पंकज कुमार, जीएनआईओटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के ग्रुप हेड आउटरीच, ने कहा, हम राजस्थान के विद्यार्थियों के लिए विशेष कार्यक्रम और प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन कर रहे हैं, जिससे वे शिक्षा के साथ-साथ अपने करियर को भी सशक्त बना सकें। हमारा प्रयास है कि विद्यार्थी केवल पढ़ाई तक सीमित न रहें, बल्कि वे सामाजिक और व्यावसायिक रूप से भी सशक्त बनें।

जीएनआईओटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस राजस्थान के विद्यार्थियों के लिए नए अवसरों का निर्माण कर रहा है और शिक्षा के क्षेत्र में नए मानदंड स्थापित कर रहा है। संस्थान अपनी उत्कृष्टता और समर्पण के साथ पूरे भारत में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह पहल राजस्थान में शिक्षा के विकास में मील का पत्थर साबित होगी और विद्यार्थियों के समग्र विकास में सहायक होगी। जीएनआईओटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस ने अपनी प्रतिबद्धता दोहराई कि वे शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे और विद्यार्थियों के संपूर्ण विकास के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। कार्यक्रम में संस्थान के अन्य वरिष्ठ सदस्य विमल सिंह, चारु शर्मा, रूपेश राव, अभिनय राज सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। उन्होंने संस्थान की प्रतिबद्धता और विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए उठाए जा रहे कदमों पर प्रकाश डाला।

उत्तर पश्चिम रेलवे मजदूर संघ द्वारा जोरदार राष्ट्रव्यापी विरोध जताया गया

बढ़ता राजस्थान

जयपुर, (का.स.)। दिनांक 21 मार्च 2025 को उत्तर पश्चिम रेलवे मजदूर संघ जयपुर मंडल द्वारा नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवेमेंस के आव्हान पर दिनांक 17 मार्च 2025 से 21 मार्च 2025 तक पूरे भारतीय रेलवे में विरोध सप्ताह के तहत जयपुर मण्डल शाखा द्वारा 21 मार्च 2025 को सेकड़ो रेलकर्मियों द्वारा उत्तर पश्चिम रेलवे मजदूर संघ कार्यालय से विशाल रैली के रूप में नारेबाजी के साथ मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय पहुँच कर विरोध सभा का आयोजन किया और जोरदार राष्ट्रव्यापी विरोध जताया । जयपुर मंडल अध्यक्ष सौरभ दीक्षित बताया कि इस राष्ट्रव्यापी विरोध में एनएफआईआर ओर हम सब रेलकर्मियों की कुछ प्रमुख मांगे है जो वाजिब होने के बाद भी भारत सरकार नही मान रही है इसके लिए हमारी कुछ मांगो को लेकर हम राष्ट्रव्यापी विरोध जता रहे है । मण्डल प्रवक्ता अनिल चौधरी ने बताया कि यह हमारा राष्ट्रव्यापी विरोध सप्ताह अभी सिर्फ सांकेतिक है अगर भारत सरकार हमारी प्रमुख मांगो पर ध्यान नही देती है तो हम जल्द इन मांगों को लेकर विशाल विरोध प्रदर्शन करेंगे और सरकार को हमारी मांगे मानने पर मजबूर कर देंगे इस राष्ट्रव्यापी विरोध सप्ताह में 17 मार्च 2025 से लगातार प्रतिदिन फुलेरा बांदीकुई रेवाड़ी सीकर अलवर रींगस झुंझुनू आदि जगह अलग अलग शाखाओं ने अपने स्तर पर विरोध जताया है। उपरोक्त मांगो में अनेकों मांगो पर एनएफआईआर ओर सरकार के मध्य सहमति भी बन चुकी है लेकिन फिर भी सरकार उन्हें लागू नही कर कर्मचारिहितो के साथ कुठाराघात कर रही है।

इस विरोध प्रदर्शन के दौरान मंडल पदाधिकारी महेश चंद शर्मा प्रवीण सिंह चौहान दीपक वर्मा सुनील यादव राजेश मीना वीरेंद्र सिंह कविया मंजू मीना शाखा पदाधिकारी याकत अली विमलेश शर्मा अनिल चौधरी मंडल मिडिया प्रभारी महेश शर्मा अर्जुन लाल कुमावत अनवर हुसैन सुमित सिंह अमरसिंह मीना श्रवन लाल मीणा सुमन चौधरी बिमला देवी मोनिका बाजिया नवनीत सिंह जीताराम चौधरी अनुराग मीना संजय शर्मा रविकांत हरिसिंह भरत वैष्णव शैलेन्द्र तिवाड़ी देवेंद्र सिंह चौहान प्रवीण शर्मा बाबूलाल चौधरी रामजीलाल नोदल नदीम शेख ऋषिराज मीना भगवान सहाय मीना पवन शर्मा कृष्ण शर्मा नरसी लाल मीणा शुभम सैन सतीश शर्मा दिनेश मामोडिया नेमी चंद बगड़िया हनुमान शर्मा प्रतीक सिंह पृथ्वीसिंह यादव धर्मसिंह गुर्जर याकूब अली रामकेश चौधरी सुनीता लखेरा फतेह सिंह गुर्जर कुलदीप चौधरी सहित सेकड़ो रेलकर्मी शामिल हुए।

राजस्थान दिवस की तैयारियों, विभागीय योजनाओं और लंबित मुद्दों पर मंथन

शिक्षा शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने ली विभागीय कार्यों एवं योजनाओं की समीक्षा बैठक

बढ़ता राजस्थान

जयपुर, (का.स.)। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में 25 मार्च को प्रस्तावित विभागीय कार्यों/योजनाओं की समीक्षा बैठक की पूर्व तैयारी के मद्देनजर शुक्रवार को शासन सचिवालय में शिक्षा विभाग की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए शिक्षा शासन सचिव श्री कृष्ण कुणाल ने राजस्थान दिवस की पूर्व तैयारियों के साथ विभागीय योजनाओं, बजट घोषणाओं और वित्तीय प्रावधानों की विस्तृत समीक्षा की और सभी सह-विभागों की कार्य योजनाओं, प्रगति एवं उपलब्धियों का बिंदुवार आकलन किया।

शिक्षा शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने बैठक में विद्यार्थियों की संख्या, परीक्षा परिणाम, बुनियादी सुविधाएं, कौशल विकास, विकास कार्य, मूल्यांकन, मिड डे मील, दिव्यांग बालकों की शिक्षा के संबंध में किए जा रहे प्रयासों, जनजाति क्षेत्रों में विभिन्न मुद्दों की अद्यतन स्थिति, संपर्क पोर्ट्ल पर लंबित परिवादों व निस्तारण, विगत तीन वर्षों के बोर्ड परिणाम और रिक्त पदों सहित अन्य मुद्दों पर विस्तृत चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान और विभाग के लंबित मुद्दों पर भी विस्तृत चर्चा की। इस दौरान कुणाल ने बजट घोषणा 2024-25 एवं वित्तीय प्रावधानों से संबंधित पत्रावलियों का निरीक्षण किया। साथ ही राइजिंग राजस्थान के तहत हुए एमओयू की प्रगति रिपोर्ट पर चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों से अद्यतन जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि राज्य में बालिका सैनिक स्कूल और ग्राम पंचायत कैमरी में प्रस्तावित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय की स्थापना कार्य शीघ्र प्रारंभ किए जाएं।

इस अवसर पर मिड डे मील आयुक्त विश्वमोहन शर्मा, राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद अनुपमा जोरवाल, निदेशक माध्यमिक शिक्षा आशीष मोदी, साक्षरता एवं सतत शिक्षा निदेशक मेघराज रतनू, संयुक्त शासन सचिव मनीष गोयल व मुन्नी मीना, राजस्थान राज्य पाठ्य पुस्तक मंडल के सचिव मूलचंद वर्मा, अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक सुरेश कुमार बुनकर, उप सचिव मोनिका बलारा एवं विशेष अधिकारी बीके गुप्ता सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा का राष्ट्रीय अधिवेशन 23 मार्च को जयपुर में

बढ़ता राजस्थान

जयपुर, (का.स.)। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा 1897 का राष्ट्रीय अधिवेशन रविवार को शिव कुंज मैरिज गार्डन वैशाली नगर, जयपुर में आयोजित किया जाएगा। यह अधिवेशन सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर दिनेश प्रताप सिंह, मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार की अध्यक्षता में होगा। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 11.15 बजे होगी। इस अधिवेशन में सभा के राष्ट्रीय संरक्षक ठाकुर गुलचैन सिंह चढक, पूर्व मंत्री जम्मू कश्मीर के दिशा निर्देशन में क्षत्रिय समाज के उत्थान के लिए एक विस्तृत कार्य योजना तैयार की जाएगी। इसके साथ ही, ईडब्ल्यूएस आरक्षण के केन्द्र सरकार द्वारा सरलीकरण की दिशा में भी चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम में क्षत्रिय समाज की शासन, प्रशासन में बढ़ती भागीदारी के लिए व्यापक कार्य योजना तैयार करने का प्रस्ताव रहेगा। अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में राव राजेन्द्र सिंह, सांसद, जिला जयपुर ग्रामीण, उपस्थित रहेंगे। इसके अतिरिक्त राजेन्द्र सिंह राठौड़, पूर्व मंत्री, प्रताप सिंह खाचरियावास, पूर्व मंत्री, राजेन्द्र सिंह गुढ़ा, पूर्व मंत्री, समाज सेवी मेघराज सिंहजी रॉयल, धर्मेन्द्र सिंह राठौड, पूर्व चेयरमैन, आशु सिंह सूरपुरा, ठा. राघवेन्द्र सिंह, झालामण्ड पूर्व प्रदेशाध्यक्ष भाजपा युवा मोर्चा, विक्रम सिंह मुण्डरु, राजस्थान प्रदेश कार्यकारी जगेंद्र सिंह तंवर, जयपुर जिला अध्यक्ष चंदन सिंह तंवर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बद्री सिंह राजावत सहित सभा के सभी राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, प्रदेश क्षत्रिय समाज के सभी संस्थाओं के अध्यक्ष एवं सदस्य तथा प्रदेश के क्षत्रिय बन्धु भाग लेंगे।

नेचर मिल्स, जयपुर में अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार एवं सामाजिक न्याय संगठन की अहम बैठक आयोजित

बढ़ता राजस्थान

जयपुर, (बाबू अंसारी)। नेचर मिल्स, जयपुर में अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार एवं सामाजिक न्याय संगठन की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. नीरज सिंह (अलवर) ने की। बैठक के दौरान संगठनात्मक विस्तार को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।राष्ट्रीय अध्यक्ष ने घोषणा करते हुए चिरंजी लाल सैनी को राष्ट्रीय संगठन मंत्री और प्रदेश स्तरीय कौर कमेटी की अनुशंसा पर श्याम सुंदर पारीक को प्रदेश अध्यक्ष (राजस्थान) पद पर नियुक्त किया। इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय महासचिव सुनील कुमार खांडल ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। वहीं, राष्ट्रीय प्रवक्ता सुनील सैनी ने राष्ट्रीय कौर कमेटी एवं शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। राष्ट्रीय महासचिव उमेश कुमार शर्मा प्रदेशाध्यक्ष (महिला विंग) चमन कंवर प्रदेशाध्यक्ष (यूथ विंग) अजय खंडेलवाल जिलाध्यक्ष सुधांशु गोस्वामी सत्यनारायण (टोंक), रतनलाल लड्डा (किशनगढ़), सुरेश कुमावत (रेनवाल), अंकित खंडेलवाल (टोडरयसिंह), दिलीप कुमार (झुंझुनू), रामभक्त ख्यालिया (हनुमानगढ़), मनीष गंवानी (सांगानेर), राजेश कुमावत (बगरू), प्रहलाद नाथ (अजमेर), वैभव कुमावत (दूदू), राधेश्याम पारीक सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के दौरान सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए जनसेवा को अपना संकल्प बताया। साथ ही, सभी ने नवनियुक्त पदाधिकारियों का पुष्प मालाओं से स्वागत कर उन्हें शुभकामनाएं दीं।

सरपंचों द्वारा अपनी पंचायतों में अच्छा काम करते हुए ग्राम पंचायत को किया टी.बी. मुक्त

बूंदी की 184 पंचायत में से 79 ग्राम पंचायत हुई टीबी मुक्त

बढ़ता राजस्थान

बूंदी (अनन्त दाधीच)। विश्व में रोग दिवस को लेकर टीबी मुक्त भारत अभियान में ग्राम पंचायत टी.बी मुक्त हो इसी अभियान को लेकर शुक्रवार को बूंदी में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा उन पंचायत का सम्मान किया गया । जहां पर सरपंचों ने अच्छा काम करते हुए ग्राम पंचायत को टी.बी. मुक्त किया और मरीजों की संख्या जीरो कि है तथा कुछ पंचायत ऐसी थी जहां मरीजों की संख्या ज्यादा थी और अब वहां पर टी.बी. के मरीज कम रह गए हैं , शय रोग टी.बी से मुक्त ग्राम पंचायत हो। इसी को लेकर बूंदी की 184 पंचायत में से 79 ग्राम पंचायत ने अच्छा काम किया है, बूंदी ब्लॉक की ग्राम पंचायत के सरपंचों को आज अतिरिक्त जिला कलेक्टर सुदर्शन सिंह तोमर , मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि वर्मा ,मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ओ पी सांमर, डॉ कुलदीप मीणा ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया । उनका कहना था कि बूंदी में लगातार ग्राम पंचायत को टी बी मुक्त करने को लेकर अभियान चलाया जा रहा है , ताकि जिले की सभी ग्राम पंचायत को टी.बी से मुक्त किया जा सके । बूंदी जिले की अगर बात करें तो पूरे जिले में लगभग 1400 टी बी के मैरिज है, जिनका स्वास्थ्य विभाग और क्षय रोग चिकित्सालय की देखरेख में इलाज जारी है , जल्द ही सभी मरीजों को टी बी मुक्त कर दिया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग लगातार इसकी मॉनीटरिंग कर रहा है। मुख्य उद्देश्य जो भारत सरकार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार के भजनलाल द्वारा लिया गया है ,कि भारत और राजस्थान सहित ग्राम पंचायत और गांव भी टी. बी. मुक्त हो इसी की थीम पर लगातार चिकित्सा विभाग ग्राम पंचायत स्तर और गांव स्तर पर भी अपना कार्य कर रहा है, तभी तो बूंदी में 79 सरपंचों ने अच्छा काम करते हुए अपनी ग्राम पंचायत को टी.बी मुक्त किया है और सम्मान भी पाया है ।

कार्यक्रम मे ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी राजीव वर्मा, जिला प्रोग्राम मैनेजर राहुल माथुर, जिला लेखा प्रबन्धक योगेष सुवालका, जिला कार्यक्रम समन्वयक धीरेंद्र सिंह, जिला आईईसी कोर्डिनेटर आष्मा खान, जिला आषा समन्वयक तरूणा शर्मा, पीपीएम कोर्डिनेटर शैलेंद्र भारद्वाज, ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर गिर्राज शर्मा, एसटीएस नरेष गौतम, योगन्द्र सैनी सम्बन्धित ग्राम पंचायत के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, लेखाकार सुनील कुमार कोली, टीबीएचवी संजय खान आदि ने भाग लिया कार्यक्रम का संचालन पीएमडीटी कॉर्डिनेटर विषाल शर्मा ने किया।

भीलवाड़ा में शीतला सप्तमी पर निकली मुर्दे की सवारी रंग-गुलाल संग मनाई होली, डीजे की धुन पर झूमे युवा

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा (अमित शर्मा)। शीतला सप्तमी के अवसर पर भीलवाड़ा शहर में शुक्रवार को सदियों पुरानी परंपरा के तहत मुर्दे की सवारी निकाली गई, इस दौरान श्रद्धालुओं ने रंग-गुलाल उड़ाते हुए उल्लास के साथ होली भी खेली, यह अनूठी परंपरा करीब 425 साल पुरानी है और इसे देखने के लिए आसपास के गांवों और कस्बों से भी भारी संख्या में लोग पहुंचे।

रंग-गुलाल के बीच निकली अनोखी शव यात्रा : शहर के चित्तौड़वालों की हवेली से दोपहर में मुर्दे की सवारी निकाली गई, इस रस्म के तहत भीड़ में से ही एक युवक को मुर्दा बनाया गया और उसे कंधों पर उठाकर शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए श्मशान की ओर ले जाया गया, यात्रा के दौरान पुरुष लोकगीतों पर नाचते-गाते आगे बढ़े और रंग-गुलाल उड़ाते हुए उत्सव मनाया, इस दौरान यहां पर जमकर फब्तियों का भी प्रयोग किया जाता है, इसी कारण इस सवारी में महिलाओं का प्रवेश वर्जित रहता है।

मुर्दे की सवारी इन मार्गों से होकर गुजरी : चित्तौड़वालों की हवेली से यात्रा की शुरुआत हुई जो रेलवे स्टेशन चौराहा , गोल प्याऊ चौराहा - जहां लोगों ने रंग-गुलाल उड़ाते हुए उत्सव मनाया, भीमगंज थाना यहां से गुजरते हुए सवारी बड़ा मंदिर की ओर बढ़ी, बड़ा मंदिर यहां पहुंचने के बाद परंपरागत रूप से अर्थी पर लेटा युवक नीचे कूदकर भाग जाता है और प्रतीक के तौर पर अर्थी का बड़ा मंदिर के पीछे दाह संस्कार कर दिया जाता है। श्मशान पहुंचने से पहले ही मुर्दा बना व्यक्ति अचानक उठकर भाग गया, जिसे देखने के लिए वहां मौजूद लोग उत्साहित हो गए, परंपरा के अनुसार, यह व्यक्ति लोक देवता ईलोजी का प्रतीक माना जाता है, इसके बाद, उसकी जगह डमी पुतले को जलाया गया, जिससे इस अनूठी रस्म की पूर्णता हुई।

शीतला माता की पूजा : शीतला सप्तमी के अवसर पर महिलाओं ने पूजा-अर्चना की , गुरुवार मध्यरात्रि से ही महिलाओं ने पूजा करना शुरू कर दिया था। और श्रद्धालुओं ने शीतला माता के चरणों में सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर घरों में चूल्हा नहीं जलाया गया और पारंपरिक रूप से ठंडा भोजन (रांदा-पोआ) ग्रहण किया गया, इस त्योहार को शीतला सप्तमी, शीतला अष्टमी, ठंडा-बासी और बास्योड़ा जैसे विभिन्न नामों से जाना जाता है।

रंग-गुलाल से सराबोर हुआ शहर

शहर में सुबह से ही रंग-गुलाल की धूम मच गई। लोग एक-दूसरे को लाल, काले और नीले रंगों में रंगते हुए होली का आनंद लेते दिखे। सुबह-सुबह महिलाओं ने शीतला माता का पूजन कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद रंगों का त्योहार पूरे उत्साह के साथ मनाया गया।

दोपहर तक चला रंगों का सिलसिला

शीतला सप्तमी पर भीलवाड़ा में होली मनाने की परंपरा वर्षों पुरानी है। इस मौके पर सुबह से दोपहर तक रंग-गुलाल का सिलसिला जारी रहा। लोग पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ इस उत्सव में शामिल हुए और पूरे शहर में उल्लास का माहौल बना रहा।

पुलिस प्रशासन ने किया सुरक्षा का पुख्ता बंदोबस्त

मुर्दे की सवारी में उमड़ती भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने विशेष सुरक्षा इंतजाम किए, एएसपी मुख्यालय पारस जैन के नेतृत्व में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया, जिससे यात्रा के दौरान कोई अप्रिय घटना न हो।

नगरीय क्षेत्र में शामिल गांवो को पंचायतराज ने भी किया अलग

योजनाओ की क्रियान्विति पर लगाई रोक, ग्रांमीणो का धरना 43 दिन भी रहा जारी

बढ़ता राजस्थान

नैनवां,((टी.आर सैनी)। स्वायत शासन विभाग जयपुर द्वारा 5 जनवरी 025 को जारी अधिसूचना में ग्रांमीण क्षेत्र के दलेलपुरा, रालड़ी,खानपुरा,टोपा उर्फ नयागांव,छोटी पड़ाप,रजलावता,बड़ी पड़ाप सीमा क्षेत्र को नगर पालिका में शामिल किया जा चुका है। अब राजस्थान सरकार ग्रांमीण विकास पंचायतराज विभाग के उपशासन सचिव इन्द्रजीत सिंह ने एक आदेश जारी करके पालिका क्षेत्र में शामिल हुए रजलावता व खानपुरा पंचायत मुख्यालय सहित अन्य राजस्व गांव मजरो को राजस्थान पंचायतीराज अधिनियम 1994 की धारा के प्रावधान के तहत पंचायतराज की सीमाओ से प्रथक किया गया है। उपायुक्त एंव उपशासन सचिव के आदेश के बाद नैनवां विकास अधिकारी नरेन्द्र झॉ ने भी आदेश जारी किया है। जिसमें बताया कि पंचायत खानपुरा व रजलावता के ग्रांम विकास अधिकारी ग्रांमीण विकास एंव पंचायतीराज विभाग की योजनाओ को संचालित नहीं करे। उन्होने नगरीय सीमा क्षेत्र में शामिल हुए क्षेत्र में पालिका द्वारा ही सरकारी योजनाओ का संचालन किया जायेगा। नगरीय क्षेत्र में शामिल हुए पंचायत मुख्यालय एंव राजस्व गांव से निर्वाचित जनप्रतिनिधियो को हटाया हुआ माना जायेगा। नये निर्माण कार्य पर लगाई रोक- पंचायतराज से प्रथक हुए गांवो में अब पंचायतराज द्वारा जारी सभी योजनाओ का कार्य रोक दिया गया है। विकास अधिकारी नरेन्द्र झॉ ने बताया कि अब पंचायतराज की ओर से ऐसे क्षेत्र में संचालित की जा रही सभी योजनाओ की क्रियान्विति बंद कर दी है। अब नगरीय क्षेत्र में पालिका द्वारा ही योजनाओ की क्रियान्विति की जायेगी। 43वें दिन भी जारी रहा क्रमिक धरना- राजस्व ग्रांम खानपुरा एवं टोपा को नैनवां नगर पालिका में शामिल करने के विरोध में दोनों गांव के ग्रामीणों का धरना शुक्रवार को लगातार 43वे दिन भी जारी रहा। ग्राम वासियों ने विरोध प्रदर्शन कर प्रभारी मंत्री हीरालाल नागर के नाम उपखंड अधिकारी को ज्ञापन दिया तथा दोनों गांवों को नगर पालिका में शामिल करने का आदेश निरस्त करने की मांग की। उन्होने बताया कि सौ से भी अधिक पत्र जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों को भेजने के बाद भी कोई जवाब नहीं देने से ग्रांमवासियों में आक्रोश व्याप्त है। शुक्रवार को धरने पर सीताराम खानपुरा,कालू लाल, रामकरण गुर्जर, पूर्व सरपंच रामेश्वर गुर्जर, नरेश सैनी, पूर्व सरपंच मोरपाल मीणा, प्रभु लाल माली, पूर्व सरपंच लादू लाल सैनी, जमुना शंकर सैनी, गंगाधर नागर, सत्यनारायण माली सहित ग्राम वासी धरने पर उपस्थित रहे।

नागरचाल धाकड़ समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन 8 मई को

ऐतिहासिक निर्णय :- ढ़ाढ़ी वाले दूल्हे पर पाबंदी,डीजे पर भी लगाया प्रतिबंध

बढ़ता राजस्थान

नैनवां (टी.आर सैनी)। पाण्डुला-धीरपुर में 8 मई को आयोजित होने वाले अखिल नागरचाल धाकड़ समाज 108 गाँव का आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर अखिल नागरचाल धाकड़ महासभा 108 गाँव की समाज अध्यक्ष रमेश नागर की अध्यक्षता में संकल पंचो की मौजदगी में आम सभा की बैठक आयोजित की गईं। बैठक कों धाकड़ महासभा प्रदेशाध्यक्ष हेमराज नागर व सम्मेलन समिति अध्यक्ष प्रधान पदम् नागर, 108 गाँव समाज अध्यक्ष रमेश नागर ने बैठक कों सम्बोधित किया।

सम्मेलन समिति अध्यक्ष प्रधान पदम् नागर व मिडिया प्रभारी श्योजीलाल धाकड़ ने बताया की बैठक में विवाह सम्मेलन की झंडे की की बोली सभी संकल पंचो समक्ष सोजीलाल नागर पुत्र मांगीलाल नागर पाण्डुला वालों के 81 हजार रु, गणेशजी महाराज की रमेश धाकड़ पुत्र रामनाथ धाकड़ पाण्डुला वालों के 56 हजार सौ रु में छोड़ी गईं। बैठक में विवाह सम्मेलन की कार्यकारिणी का विस्तार कर गठन किया गया। झंडारोहण का जुलूस गाजे बाजे के साथ घोड़ी पर बैठाकर रघुनाथ मंदिर से प्रारम्भ हुआ। जुलूस में महिला पुरुष बैण्ड बाजे की धुन पर थिरकते रहे थे। कस्बे में धरणीधर भगवान के जयकारे गुंजायमान रहे थे।

जुलूस में जगह जगह पुष्प वर्षा, व आतिशबाजी से स्वागत किया। नागरचाल 108 गांव के समाज बंधुओ ने आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने को लेकर सभी ने अपने-अपने विचार व्यक्त कर सुझाव दिए गए।

सैकड़ों जायरीनों ने दीवाना शाह दरगाह कपासन पर आयोजित रोजा इफ्तारी में शिरकत की

जिला पुलिस अधीक्षक जोशी ने फूल पेशकर मुल्क में अमनो सुकून हेतु दुआ की

बढ़ता राजस्थान

कपासन (नि.स.)। प्रख्यात सूफी संत हजरत दीवाना शाह साहब र.अ. की दरगाह शरीफ पर जिला पुलिस अधीक्षक चितौड़गढ़ द्वारा फूल पेश कर मुल्क मे अमनो सुकून हेतु दुआ की गयी।साथ ही सैकड़ों जायरीने दीवाना द्वारा रोज़ा ईफ्तारी मे शिरकत की गयी।

दरगाह वक्फ कमेटी कपासन सैक्रेट्री मोहम्मद यासीन खां अशरफी ने बताया कि गुरूवार को जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी का बुलन्द दरवाजा पर दरगाह वक्फ कमेटी सदस्य अब्दुल वहीद अंसारी,हाजी शरीफ मेवाती,अशफाक तुर्किया एवं याकूब खां जाशमा द्वारा स्वागत अभिनंदन किया गया।इसके उपरांत जिला पुलिस अधीक्षक जोशी ने आस्ताना ऐ आलिया में मुख्य मज़ार पर चादर व फूल पेशकर मुल्क मे अमनो सुकून की दुआ की।

साथ ही सैयद अख्तर अली बुखारी द्वारा दस्तार बंदी कर श्रीफल भेंट किया गया।इस दौरान पुलिस उपाधीक्षक कपासन हरजीलाल यादव,थानाधिकारी रतन सिंह उपस्थित रहे। यहां गुरूवार सांयकाल अहमद कबीर मंजिल मे आशिके दीवाना उदयपुर के परवेज रशीद कुरेशी की जानिब से रोजा ईफ्तारी का कार्यक्रम रखा गया।

इस मुबारक मौके पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश महामंत्री ईकराम रशीद कुरेशी,फारूक कुरेशी, भीलवाड़ा के नजमूल कुरेशी,कमरगनी कुरेशी एवं नगर पालिका उपाध्यक्ष सैयद ऐजाज अली,आरएनटी निदेशक डॉ. वसीम खान,अंजुमन सैक्रेट्री सैयद असलम अली सहित सैकड़ों जायरीने दीवाना द्वारा शिरकत की गयी।

शीतला सप्तमी हर्षोल्लास से मनाई

बढ़ता राजस्थान

चौमहला (आबिद हुसैन)। झालावाड़ जिले के चौमहला गंगधार सहित क्षेत्र में शीतला सप्तमी पर्व उत्साह व उमंग से मनाया गया ,महिलाएं तड़के भोर में जल्दी उठकर सोलह श्रृंगार कर मंदिर पहुची जंहा शीतला माता की पूजा आराधना कर ठंडे पकवानों का भोग लगाया इसके पश्चात अपने अपने घरों पर शीतला माता के प्रतीक हल्दी ,चंदन ,कुम कुम से रंगे हाथ के निशान घर के दरवाजे पर लगाकर घर मे सुख ,शांति की कामना की ,ऐसी मान्यता है कि श्रद्धा व भक्ति से शीतला माता का पूजन करने शीत जनित रोग ,छोटी माता ,चेचक आदि का प्रकोप उनके घरो व बच्चों पर नही होता है ,इससे पूर्व गुरुवार रात्रि को ही महिलाओं ने घरों पर माता रानी को भोग लगाने के लिए पकवान बनाए ,जो आज माता पूजन के बाद घर के सभी सदस्य ठंडा खाना ही ग्रहण करेंगे ,मान्यता के अनुसार शीतल सप्तमी के बाद ठंडा भोजन करना निषेध माना जाता है ,ठंडा ,व बासी भोजन शरीर मे रोग पैदा करता है ,इसलिए आज के बाद ठंडा खाना नही खाना चाहिए ,होली का दहन के बाद से 7 दिनों तक प्रतिदिन शीतला माता व होलिका को ठंडा जल अर्पित कर आज सप्तमी को माता का पूजन कर ठंडे पकवानों का भोग लगाया जाता है और सुख ,शांति ,व समृद्धि की कामना की जाती है।

चंदनबाला महिला मंडल द्वारा कपासन में महामंत्र नवकार के साथ होली मिलन समारोह का आयोजन

बढ़ता राजस्थान

कपासन (सुनील कुमार डभाड़ीया)। क्षेत्रीय चंदनबाला महिला मंडल के तत्वावधान में होली मिलन समारोह का हर्षौल्लास के साथ आयोजन किया गया।जिसमे आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

जानकारी अनुसार जैन समाज के चंदनबाला महिला मंडल द्वारा नगर कपासन में स्थित अंबेश भवन में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ महामंत्र नवकार के साथ किया गया।जिसमे महिलाओ द्वारा रंग-गुलाल लगाकर होली की बधाई दी गयी।इस दौरान महिलाओं द्वारा होली आधारित भजनों पर झूमते-नाचते होली समारोह का लुत्फ उठाने सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।जिसमे महिला वर्ग ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस होली मिलन समारोह में चंदनबाला महिला मण्डल कपासन अध्यक्ष प्रियंका दुग्गड़,महिला मंडल मंत्री एवं पूर्व नगर पालिका पार्षद सुनीता सांवला,कोषाध्यक्ष अंगूरबाला सिरोया,उपाध्यक्ष कुसुम ढीलीवाल,प्रचार प्रसार मंत्री जागृति लोढ़ा,शिक्षा मंत्री सरोज दुग्गड़,पूर्व अध्यक्ष चन्द्रकिरण चण्डालिया,मंजू दुग्गड़,लाडजी लोढ़ा,कांता ढीलीवाल आदि चंदनबाला महिला मंडल सदस्य एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद की खेल अकादमियों में चयन हेतु आवेदन आमंत्रित

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा (अमित शर्मा)। राजस्थान राज्य कीड़ा परिषद द्वारा राजस्थान में विभिन्न शहरों में संचालित विभिन्न खेल अकादमियों में प्रवेश हेतु चयन स्पर्धा की तिथियां की घोषणा की गई है। सभी अकादमियों हेतु चयन स्पर्धा सवाई मानसिंह स्टेडियम जयपुर में आयोजित की जाएगी। अधिक जानकारी देते हुए जिला खेल अधिकारी हेमेंद्र सिंह राणावत ने बताया कि आगामी 7 एवं 8 अप्रैल को बालिका फुटबॉल अकादमी कोटा, बालक फुटबॉल अकादमी जोधपुर, बालक कुश्ती अकादमी भरतपुर एवं बालक साइक्लिंग अकादमी बीकानेर हेतु चयन स्पर्धा का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार दिनांक 9 और 10 अप्रैल को बालक एथलेटिक्स अकादमी गंगानगर, बालिका एथलेटिक्स अकादमी जयपुर, बालक एथलेटिक्स अकादमी अजमेर एवं पैरा खेल अकादमी एथलेटिक्स व पावरलिफ्टिंग जयपुर हेतु चयन स्पर्धा का आयोजन होगा। 15 एवं 16 अप्रैल को बालिका वालीबॉल अकादमी जयपुर, बालक वॉलीबॉल अकादमी झुंझुनू, बालिका तीरंदाजी अकादमी जयपुर, बालक तीरंदाजी अकादमी उदयपुर एवं बालक तीरंदाजी अकादमी डूंगरपुर हेतु चयन स्पर्धा का आयोजन होगा।

17 एवं 18 अप्रैल को बालिका हॉकी अकादमी अजमेर, बालक हॉकी अकादमी जयपुर, बालक कबड्डी अकादमी करौली, बालक व बालिका कबड्डी अकादमी चूरू हेतु चयन स्पर्धा का आयोजन होगा। 20 व 21 अप्रैल को बालक हैंडबॉल अकादमी जैसलमेर, बालिका हैंडबॉल अकादमी जयपुर, बालक बास्केटबॉल अकादमी जैसलमेर, बालक बास्केटबॉल अकादमी सीनियर वर्ग जैसलमेर एवं बालिका बास्केटबॉल अकादमी जयपुर हेतु चयन स्पर्धा का आयोजन होगा।

निवर्तमान सरपंच एवं प्रशासक भादसोड़ा ने मुख्यमंत्री को पत्र प्रेषित कर सड़क निर्माण की मांग की

बढ़ता राजस्थान

भादसोड़ा (नि.स.)। समीपवर्ती पंचायत समिति भदेसर क्षेत्र की ग्राम पंचायत भादसोड़ा के प्रशासक एवं निवर्तमान सरपंच शंभुलाल सुथार द्वारा मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार भजनलाल शर्मा को पत्र प्रेषित कर क्षेत्र के ग्राम अमरपुरा से सुथारिया खेड़ा एवं भादसोड़ा मार्ग पर सड़क निर्माण की मांग की गयी है। निवर्तमान सरपंच एवं प्रशासक भादसोड़ा शंभुलाल सुथार ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को प्रेषित पत्र में बताया कि श्री सांवलिया जी मंदिर मंडल मंडफिया द्वारा अमरपुरा से सुथारिया खेड़ा एवं भादसोड़ा मार्ग पर सड़क निर्माण के लिए पूर्व में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया।इसके बाद स्वीकृति,टेंडर प्रक्रिया एवं कार्यादेश भी हुआ।परंतु अज्ञात कारणों के रहते उक्त सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हो सका। जिसको लेकर प्रशासक भादसोड़ा शंभुलाल सुथार द्वारा पत्र प्रेषित कर मुख्यमंत्री से उक्त निर्माण कार्य संबंधी पुनः टेंडर प्रक्रिया एवं कार्यादेश कराने की मांग की गयी है। उल्लेखनीय है कि प्रशासक एवं निवर्तमान सरपंच भादसोड़ा शंभुलाल सुथार द्वारा 19 मार्च को मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार भजनलाल शर्मा को ईमेल एवं इंडिया स्पीड पोस्ट के माध्यम से पत्र प्रेषित कर उक्त सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ कराने की मांग की गयी है।

लम्बे अर्से बाद मिली 15 करोड़ के विकास की सौगात

जनप्रतिनिधियो ने खुशी जता कर जताया आभार

बढ़ता राजस्थान

नैनवां (टी.आर सैनी)। सीएम की बजट घोषणा में नैनवां शहर के नवलसागर तालाब के सौन्दर्यकरण एंव पिकनिक स्पॉट के लिए 15करोड़ का बजट स्वीकृत होने पर शुक्रवार को नैनवां पालिका में जनप्रतिनिधियो ने खुशी मनाई गई। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता नागर द्वारा मुख्य मंत्री भजन लाल शर्मा,लोकसभा अध्यक्ष ओम कृष्ण बिरला, यूडीएच मंत्री झाबरमल खर्रा, प्रभारी एवं ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, सांसद एवं प्रदेश महामंत्री दामोदर अग्रवाल, पूर्व कृषि मंत्री प्रभु लाल सैनी,भाजपा जिला अध्यक्ष बूंदी रामेश्वर मीणा का आभार व्यक्त किया। भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा नगर पालिका नैनवां के परिसर में पटाखे चलाये गये। कार्यकर्ताओ ने एक दूजे का मुंह मीठा करवाया। इस दौरान पार्षद कपिल जैन ,सीमा शर्मा, रामबाबू वर्मा, युवा मोर्चा जिला कोषाध्यक्ष महेंद्र नागर, किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष गणेश दत्त बैरागी, पूर्व शहर महामंत्री अनिल रंगीला,मनोज भाट, कृष्ण मुरारी तिवारी ,राधेश्याम सैनी कमल सैनी, बृजेंद्र शर्मा ,अरविंद शर्मा, कन्हैयालाल सैनी, सूरज एडवोकेट, गिर्राज सेन, रमाकांत शास्त्री सोनू सैनी ,प्रभु लाल वर्मा आदि मौजूद रहे।

जिला कलक्टर ने ली बजट घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक

निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण करने हेतु कार्य योजना बनाकर उसे अमल में लाए : जिला कलक्टर

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला की अध्यक्षता में शुक्रवार को मिनी सचिवालय के कलक्ट्रेट सभागार में बजट घोषणाओं की प्रगति के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित हुई। जिला कलक्टर ने जिले के लिए हुई बजट घोषणाओं की बिन्दुवार प्रगति की समीक्षा कर विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन हेतु निर्धारित टाइम लाइन के अनुसार कार्यों को पूर्ण करने की कार्ययोजना बनाकर उसे मूर्त रूप देवे। उन्होंने निर्देश दिये कि जिन बजट घोषणाओं में भूमि की आवश्यकता है उनके आवंटन हेतु संबंधित विभागीय अधिकारी संबंधित उपखण्ड अधिकारी से समन्वय कर एक सप्ताह में भूमि आवंटन संबंधी रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं की निरन्तर समीक्षा की जाएगी अतः संबंधित अधिकारी साप्ताहिक प्रगति की रिपोर्ट भिजवाना सुनिश्चित करें।उन्होंने जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियन्ता को निर्देश दिये कि शहर की विभिन्न कॉलोनियों में जल प्रदाय सुविधा विकसित करने के कार्यों की एक सप्ताह में डीपीआर तैयार करें। उन्होंने विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियन्ता को निर्देश दिये कि कठूमर में 132 केवी जीएसएस के लिए चिन्हित की गई भूमि के आवंटन के संबंध में सीडीईओ से समन्वय कर आवंटन प्रक्रिया पूर्ण करें। उन्होंने अलवर शहर में नवीन कन्या महाविद्यालय के लिए भूमि आवंटन हेतु यूआईटी सचिव को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने सीएमएचओ को निर्देश दिये कि नवीन क्रमोन्नत पीएचसी के भवन निर्माण के प्रस्ताव तैयार करें तथा जहां भूमि की आवश्यकता है उसके लिए संबंधित उपखण्ड अधिकारी से समन्वय करें। उन्होंने अखैपुरा में पुलिस थाने के लिए भूमि चिन्हित व आवंटन कार्य के लिए एडीएम प्रथम को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। उन्होंने अलवर सरस डेयरी में नवीन दुग्ध संयंत्र की स्थापना के लिए सरस डेयरी एमडी को निर्देश दिये कि इसके लिए आरसीडीएफ से समन्वय कर कार्य को गति प्रदान करें।

उन्होंने जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियन्ता को निर्देश दिये कि ग्रीष्म ऋतु में पेयजल आपूर्ति हेतु कंटीजेन्सी फण्ड में वृद्धि की गई है उसके अनुरूप नवीन प्रस्ताव तैयार कर भिजवाए। उन्होंने नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिये कि सीवरेज लाइन डालने के कार्य को समयबद्ध रूप से पूर्ण करें तथा इसमें घरेलू कनेक्शन के कार्य में भी गति लावे।

उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि अलवर जिले के लिए की गई बजट घोषणाओं के साथ-साथ ऐसी बजट घोषणाएं जो सम्पूर्ण राज्य के लिए है उन घोषणाओं को भी मूर्त रूप देने हेतु कार्य को गति प्रदान करें। उन्होंने राजस्थान सम्पर्क पोर्टल की समीक्षा कर निर्देश दिये कि आमजन की परिवेदनाओं का न केवल त्वरित निस्तारण किया जाए बल्कि उनकी संतुष्टि स्तर को बढ़ाने हेतु सकारात्मक प्रयास करें। इस दौरान एडीएम प्रथम मुकेश कायथवाल, यूआईटी सचिव सुश्री धीगदे स्नेहल नाना, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय तेजपाल सिंह, नगर निगम आयुक्त जितेन्द्र सिंह नरूका, विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियन्ता श्री सुधीर पाण्डे, जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियन्ता रमेश चंद सैनी, सहायक कलक्टर अलवर सुनीता यादव, सीडीईओ महेश गुप्ता, सीएमएचओ डॉ. योगेन्द्र शर्मा, जीएम डीआईसी एम.आर मीना, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक रमेश चंद मीणा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

भीषण सड़क हादसे में टैंकर चालक की जलकर मौत

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा (अमित शर्मा)। मांडलगढ़, लाडपुरा चौराहा कोटा-चित्तौड़ हाईवे पर शुक्रवार को एक भयावह सड़क हादसा हुआ, जिसमें चार टैंकरों की आपसी टक्कर के बाद भीषण आग लग गई। इस हादसे में एक टैंकर चालक तंबू धाकड़ की जलकर दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई और लंबा जाम लग गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लाडपुरा चौराहा के पास थर्मल ऑयल से भरे चार टैंकरों में तेज रफ्तार और ओवरटेकिंग के प्रयास के कारण आपस में भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कुछ ही पलों में टैंकरों में आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि तंबू धाकड़ आग की चपेट में आ गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद हाईवे पर वाहनों की आवाजाही ठप हो गई, जिससे लंबा जाम लग गया। घटना की सूचना मिलते ही मांडलगढ़ थाना पुलिस और दमकल की टीमें मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक सभी टैंकर जलकर खाक हो चुके थे। मांडलगढ़ पुलिस ने मृतक चालक साबू धाकड़ के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और हादसे की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही से की गई ओवरटेकिंग को हादसे की वजह बताया जा रहा है। प्रशासन ने हाईवे पर यात्रा कर रहे वाहन चालकों से सावधानी बरतने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है ताकि इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय का 21वां दीक्षांत समारोह आयोजित

समृध्द और विकसित भारत के निर्माण में युवा समर्पण भाव से आगे आएं : हरिभाऊ बागडे

बढ़ता राजस्थान

जयपुर/जोधपुर । राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने युवा पीढ़ी से समय का पूरा-पूरा सदुपयोग करने और लक्ष्य के प्रति समर्पण भाव रखते हुए समृद्धशाली और सम्पन्न भारत के निर्माण के प्रति कृतसंकल्प होकर कार्य करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि युवा समाज एवं देश के विकास में अपनी अहम् भूमिकाओं का निर्वाह करते हुए विकसित भारत-2047 की संकल्पना को पूरा करने में अपनी आत्मीय भागीदारी सुनिश्चित करें।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शुक्रवार को पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर स्थित मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर में जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के 21वें दीक्षान्त समारोह में मुख्य अतिथि पद से संबोधित कर रहे थे। दीक्षांत समारोह में कुल 51 हजार 402 उपाधियों का अनुमोदन किया गया। इसमें स्नातक स्तर की 46 हजार 188 और स्नातकोत्तर की 5 हजार 214 उपाधियां शामिल हैं। इसके साथ ही दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति द्वारा 60 गोल्ड मेडल प्रदान किए गए, जिसमें 53 स्वर्ण पदक, एक कुलाधिपति पदक, चार डोनर पदक एवं दो अन्य पदक शामिल हैं, इसके साथ 187 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। राज्यपाल ने 55 स्वर्णपदकों में से 38 पदक बेटियों को मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बेटियां हमारा गौरव हैं, वे आगे बढेंगी तभी समाज तेजी से आगे बढ़ेगा। राज्यपाल ने विभिन्न संतों एवं महापुरुषों के उपदेशों और वाणियों को उद्धृत करते हुए कहा कि शिक्षा समग्र जीवन-दृष्टि को विकसित करते हुए लोक कल्याण की धाराओं को तीव्रतर करने का सशक्त माध्यम है। शिक्षा ऐसी हो जो व्यक्तित्व का विकास करे। इससे युवा रोजगार पाने के इच्छुक नहीं बल्कि रोजगार दाता बनें।

उन्होंने एआई तकनीक का सावधानीपूर्वक उपयोग करने पर बल दिया और कहा कि तकनीकी ज्ञान का उपयोग करें पर सावधानी जरूर रखें। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री,भारत सरकार श्री गजेंद्र सिंह शेखावत वर्चुअल माध्यम से जुड़े। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि विश्वद्यालय की मनीषा परंपरा, सीखने की जिज्ञासा और निरंतर ज्ञान अर्जन की इच्छाशक्ति को जारी रखें।

नैनवां ब्लाक कांग्रेस कमेटी की बैठक आयोजित

कार्यकर्ता भाजपा सरकार की जन विरोधी नीतियों का विरोध करें : चांदना

बढ़ता राजस्थान

जजावर (पदम शाह)। नैनवां ब्लाक कांग्रेस की बैठक शुकव्रवार को करीबी धार्मिक स्थल ग्वाला बालाजी के स्थान पर आयोजित हुई जिसमें पीसीसी ओब्जर्वर अशोक चौधरी ने सभी कार्यकर्ताओं से आगामी पंचायत चुनाव को देखते हुए ब्लाक में हर गांव ढाणी तक कांग्रेस को मजबूत स्तिथि मे बनाने के लिए कार्यकर्ताओं से तैयारी मे लग जाने का आह्वान करते हुए दिशा निर्देश दिए।

उन्होनें कांग्रेस की मजबूती को लेकर बताया की प्रदेश स्तर से जल्दी ही मंडल स्तर पर कार्यकर्ताओं की बैठकें आयोजित करने का कार्यक्रम प्रसारित किया जाएगा जिसमे कार्यकर्ताओ की समस्या जानते हुए भाजपा शासन की गरीब किसान मजदूर विरोधी नीतियों का विरोध करने के लिए पूरी कांग्रेस पार्टी आगे आएगी ।

बैठक मै हिंडोली विधायक अशोक चांदना ने सभी कार्यकर्ताओ को विश्वास एवं भरोसा दिलाया कि में क्षेत्र के कार्यकर्ताओं एवं जनता के दम पर हिंडोली क्षेत्र के विकास को लेकर संघर्षरत रहता आया हूं एवं रहूंगा । उन्होनें कहा कि कांग्रेस परिवार के सभी लोग भाजपा शासन की जनविरोधी नीतियों की जानकारी से आमजन को अवगत कराते हुए सार्वजनिक जनविरोधी नीतियों का विरोध करे मे हमेशा उनके साथ खडा रहूंगा। बैठक मे डीसीसी अध्यक्ष एवं विधायक सीएल प्रेमी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि नैनवा हिंडोली क्षेत्र में कांग्रेस बहुत मजबूत स्तिथि में है फ़िर भी सभी लोग एवं कार्यकर्ता आमजन से जुडाव रखकर पोलिंग स्तर तक कांग्रेस को मजबूती दिलाने के लिए कमर कस लें । ताकि पंचायत चुनाव मे भाजपा सरकार को यह महसूस हो जाए कि नैनवां मे कांग्रेस बहुत मजबुत स्तिथि मे हैं । बैठक को पूर्व पीसीसी सदस्य शोपाल मीणा पूर्व सरपंच रामावतार शर्मा एवं ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष धर्मराज मीणा ने भी सम्बोधित किया ।

बैठक मे पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष सीताराम नागर एवं ओमप्रकाश जैन सहित मंडल अध्यक्ष रामप्रकाश धाकड़ बछराज गुजर राजूलाल बैरवा पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष आबिद हुसैन आबिद अली मीणा समाज तहसील अध्यक्ष खाना मीणा बाबूलाल वर्मा बाछोला सरपंच सहित नैनवा ब्लॉक के समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यदिश जारी होने के दो साल बाद भी शुरू नहीं हुआ निर्माण कार्य, गुस्साए वार्ड पार्षद ने पालिका संवेदक को ब्लैक लिस्टेड करने की मांग की

बढ़ता राजस्थान

लाखेरी। शुक्रवार को नगर पालिका के पार्षद महावीर गोचर ने वार्ड न. 21 में दो साल बाद भी कार्य शुरू नहीं करने के विरोध में पालिका में ठेकेदारी करने वाले संवेदक को दो ब्लैक लिस्टेड करने हेतु अधिशाषी अधिकारी नरेश राठौर को ज्ञापन सौंपा। गोचर ने ज्ञापन में बताया कि वार्ड न. 21 की बैरवा बस्ती में दो साल पूर्व 19 जून 2023 को नाले निर्माण को लेकर नगर पालिका से कार्यादेश जारी होने के बावजूद संवेदक द्वारा नाले का निर्माण शुरू नहीं किया गया। गुर्जर ने बताया कि नाले के निर्माण नहीं होने से वार्ड में बरसाती नाले का पानी बस्ती के घरो मे घुस जाता है जिस कारण वार्ड के लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। पार्षद गौचर ने बताया कि पूर्व में भी नगर पालिका द्वारा संवेदक को काम शुरू करने हेतु नोटिस जारी किये जा चुके है लेकिन अभी तक नाले के निर्माण का कार्य शुरु नहीं किया गया। ज्ञापन में संवेदक द्वारा तीन दिन के भीतर नाले निर्माण शुरू नहीं करने पर पालिका द्वारा संवेदक को ब्लैक लिस्टेड करने की मांग की।

सहायक कृषि अधिकारी (कृषि विभाग) संवीक्षा परीक्षा-2021, पात्रता जांच हेतु विचारित सूची जारी

बढ़ता राजस्थान

जयपुर, (का.स.)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक कृषि अधिकारी (कृषि विभाग) संवीक्षा परीक्षा-2021 के तहत पात्रता जांच हेतु अभ्यर्थियों की विचारित सूची जारी की गई है। विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया कि उक्त पदों पर सीधी भर्ती द्वारा चयन हेतु 28 मई 2022 को संवीक्षा परीक्षा का आयोजन किया गया था। परीक्षा के फलस्वरूप 129 अभ्यर्थियों को पात्रता जांच हेतु अस्थाई रूप से विचारित सूची में सम्मिलित किया गया है। विचारित सूची चयन प्रक्रिया में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों की अभ्यर्थिता सुनिश्चित किये जाने के क्रम में केवल दस्तावेज सत्यापन के उद्देश्य से है तथा यह साक्षात्कार हेतु सफल अभ्यर्थियों की सूची नहीं है। साक्षात्कार हेतु अंतिम रूप से सफल अभ्यर्थियों की सूची दस्तावेज सत्यापन के पश्चात जारी की जायेगी।

गंभीर नदी को स्वच्छ बनाने की मांग को लेकर अनिश्चित कालीन धरना शुरू

बढ़ता राजस्थान

हिंडौन सिटी/श्रीमहावीरजी (अंशु गुप्ता)। क्षेत्र की प्रदूषित हो रही गंभीर नदी को साफ सुथरी बनाने के लिए की मांग को लेकर शुक्रवार को दर्जनों ग्रामीण अनिश्चित कालीन धरने पर बैठे रहे ।सरपंच प्रतिनिधि यादराम सिंह ने बताया कि आस्था से जुड़ी गंभीर नदी में बढ़ते प्रदूषण और गंदगी से लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई है ग्रामीण रूपसिंह तोगड़िया कहना है कि कस्बे के मुख्य मंदिर सहित अन्य संस्थानों का सीवरेज सहित गंदा दूषित पानी गंभीर नदी में जमा हो है । भाजपा पूर्व मंडल अध्यक्ष ईश्वर सिंह ने कहा कि सैकड़ो गांव की प्यास बुझाने वाली गंभीर नदी जिसमें जिम्मेदार लोग प्रदूषित कर रहे हैं नदी पेट में खुलेआम सीवरेज के नाले गंदगी उड़ेल रहे है जिससे नदी का स्वास्थ्य बिगड़ गया है जिससे नदी को प्रदूषण शिकार होना पड़ रहा है । गोरतलब हैं कि गंभीर नदी में प्रदूषण बढ़ रहे ऑफिस स्टाफ में धरना देने वाले खेम सिंह गुर्जर प्रदेश सचिव कांग्रेस कमेटी मुन्ना पमड़ी, हरकेश गुर्जर ईश्वर सिंह रूप सिंह अतर पटेल,शिवराज,विकेश,जतन हवलदार,मुनीम सिंह, कुलदीप,भगत, आराम सिंह, बबुआ खां आदि ग्राम वासी मौजूद रहे ।

महिलाओं मे दिख रहा सामूहिक 16 दिन की गणगौर पूजा का उत्साह

बढ़ता राजस्थान

हिंडौन सिटी/श्रीमहावीरजी (अंशु गुप्ता)। चैत्र मास की शुरुआत के साथ राजस्थान में गणगौर पर्व की शुरुआत हो गई है। शुक्रवार को महिलाओं ने सामूहिक रूप से गणगौर की पूजा-अर्चना की काजल मार्केट मे महिलाएं ने सिर पर जल से भरे कलश और दूब लेकर पूजन स्थल पर पहुंचीं। उन्होंने भंवर पूजन और गण गौर के भजन गाते हुए विधिवत पूजा कीपूजन में शामिल सपना सिंहल ने बताया कि गणगौर पर 16 दिनों तक चलता है इस दौरान महिलाएं सज-धजकर पूजा करती है ।

यह पूजा घर और बगीचों में सामूहिक रूप से की जाती है पूजा में शामिल सपना सिंहल वीणा, अनीता, ममता, पूजा, रानी, दुर्गेश, बबीता, सहित अनेक महिलाएं मौजूद रही ।

शिक्षा के विकास के लिए सरकार के आंख-कान की तरह काम करें पीएमयू कंसल्टेंट्स : अनुपमा जोरवाल

शिक्षा संकुल में आयोजित हुई डिस्ट्रिक्ट पीएमयू कंसल्टेंट्स की वर्कशॉप

बढ़ता राजस्थान

जयपुर, (का.स.)। राज्य परियोजना आयुक्त व निदेशक, समग्र शिक्षा राजस्थान श्रीमती अनुपमा जोरवाल ने कहा कि जिला स्तर पर काम कर रहे पीएमयू कंसल्टेंट्स राज्य सरकार की आंख व कान के रूप में धरातल पर काम करें। वे शिक्षा के क्षेत्र में वास्तविक आवश्यकताओं व कमियों को चिह्नित करने के साथ ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के राज्य सरकार के प्रयासों में सहयोग करें। श्रीमती जोरवाल शुक्रवार को STARS व समग्र शिक्षा अभियान की प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट के तहत नियुक्त NANGIA & CO LLP के डिस्ट्रिक्ट पीएमयू कंसल्टेंट्स के लिए शिक्षा संकुल में आयोजित वर्कशॉप के दौरान संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि सभी जिला पीएमयू कंसल्टेंट्स को स्थानीय मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के सा ?थ समन्वय स्थापित करते हुए काम करें और धरातल पर मौजूद समस्याओं को गहराई से समझ कर इनके संबंध में विभाग को जानकारी दें। निदेशक माध्यमिक शिक्षा श्री आशीष मोदी ने कंसल्टेंट्स को विभाग की ओर से आयोजित की जाने वाली मीटिंग व वीसी में नियमित रूप से शामिल होने, शिक्षा विभाग की सभी योजनाओं के बारे में जागरुक रहने और स्कूलों की नियमित विजिट के निर्देश दिए। वर्कशॉप के दौरान डिस्ट्रिक्ट पीएमयू कंसल्टेंट्स को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान, स्त्रस्ह्न, दक्षता आधारित आकलन, शाला संबलन, परख, शाला स्वास्थ्य परीक्षण, डिजिटल प्रवेशोत्सव व विद्या समीक्षा केंद्र आदि के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई। पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन व अन्य गतिविधियों के माध्यम से विशेषज्ञों ने कंसल्टेंट्स को विभाग की योजनाओं के बारे में बताया। इस दौरान सभी प्रतिभागियों ने सक्रिय भागीदारी निभाते हुए एक-दूसरे के साथ जानकारियों का आदान-प्रदान व शंका समाधान किया।

विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट का भव्य शुभारंभ

बढ़ता राजस्थान

चित्तौड़गढ़ (नि.स.)। महाराणा प्रताप राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय चित्तौड़गढ़, में शुक्रवार को विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. हमेंद्र नाथ व्यास ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में प्राचार्य गौतम कुमार कुकड़ा उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो के. एस. कंग, प्रो लादु लाल शर्मा और प्रो आशुतोष व्यास प्राचार्य राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय निम्बाहेड़ा ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। कार्यक्रम के अंतर्गत वन नेशन, वन इलेक्शन विषय पर युवाओं ने प्रभावशाली तीन मिनट के अभिभाषण प्रस्तुत किए। युवाओं ने अपने विचारों के माध्यम से चुनावी प्रक्रिया में सुधार, लोकतंत्र की मजबूती और एक राष्ट्र-एक चुनाव के संभावित लाभों पर अपने दृष्टिकोण साझा किए। स्थानीय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हेमेन्द्र नाथ व्यास ने बताया कि भारत सरकार, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित विकसित भारत युवा संसद 2025 राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर विमर्श में शामिल होने और विकसित भारतञ्च2047 के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए युवाओ के लिए एक राष्ट्रीय मंच प्रदान किया जा रहा है।

डायबिटीज रोगियों में कंधे की अकड़न की समस्या क्यों होती है

डायबिटीज से ग्रस्त कुछ लोग फ्रोजन शोल्डर की समस्या का भी सामना करते हैं, जिसके कारण उन्हें काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। फ्रोजन शोल्डर में शोल्डर के जोड़ सूजने लगते हैं और स्थिति धीरे-धीरे बढ़ती रहती है। जब कंधों की बॉल और सॉकेट जॉइंट में मोबिलिटी कम होने लगती है तो कंधे के मूवमेंट में दिक्कत महसूस करते हैं तो इसी स्थिति को फ्रोजन शोल्डर कहा जाता है।

डायबिटीज में फ्रोजन शोल्डर के लक्षण

इसके मुख्य लक्षण स्टीफनेस और दर्द होते हैं। ऐसे में यह तीन स्टेज के रूप में व्यक्ति को प्रभावित करता है। पहली स्टेज में कंधों में बहुत दर्द होता है और मूवमेंट में दिक्कत होती है यह दिक्कत शुरुआत के 6 हफ्ते से 9 महीने तक व्यक्ति को परेशान कर सकती है। जबकि दूसरी स्टोरेज में दर्द कम होता है और व्यक्ति का कंधा सख्त ज्यादा होता है। व्यक्ति को यह स्टेज 4 महीने से 12 महीने तक परेशान कर सकती है। तीसरी स्टेज में व्यक्ति का शोल्डर मूव तो करता ही है और वो अच्छे से काम भी करता है। कंधे से काम करने में दिक्कत कम महसूस होती है। ये स्थिति व्यक्ति को 6 महीने से 1 साल तक रह सकती है।

डायबिटीज में फ्रोजन शोल्डर से बचाव

आमतौर पर डायबिटीज में फ्रोजन शोल्डर से बचाव का कोई तरीका नहीं है। चूंकि ये समस्या रक्त में शुगर की मात्रा के बढ़ जाने के कारण पैदा होती है ऐसे में ब्लड शुगर लेवल को समय-समय पर चेक करना जरूरी होता है और इसे संतुलित करना भी जरूरी है। ऐसा करने से कोलेजन को स्टीक और चिपचिपा होने से रोका जा सकता है और व्यक्ति का कंधा भी फ्रिज नहीं होगा। यदि रक्त में शुगर का स्तर कम नहीं हो रहा है तो ऐसी स्थिति में डायबिटीज के मरीज को डॉक्टर से तुरंत संपर्क करें। दिनचर्या में कुछ बदलाव करके जैसे- व्यायाम, संतुलित आहार, वियमित वॉक आदि से भी शारीरिक स्वास्थ्य ठीक रखा जा सकता है। साथी ही डॉक्टर फ्रोजन शोल्डर के इलाज में फिजियो थेरेपी, कंधे की कुछ एक्सरसाइज, स्ट्रेचिंग आदि के लिए सुझाव देते हैं।

मिट्टी के बर्तन में खाना बनाने से सेहत को मिलते हैं ये लाभ

पुराने समय में लोग खाना पकाने और परोसने के लिए मिट्टी के बर्तनों का इस्तेमाल करते थे। लेकिन समय बदलने के साथ यह परंपरा भी कहीं खो सी गई है। रसोई में रखे मिट्टी के बर्तनों की जगह आज स्टील और एल्युमीनियम के बर्तनों ने ले ली है। लेकिन क्या आप जानते हैं मिट्टी के बर्तनों में पकाया और खाया जाने वाला भोजन सेहत के लिहाज से बेहद अच्छा होता है।

मिट्टी के बर्तन में खाना पकाने के फायदे : मिट्टी के बर्तन में खाना बनाने से खाने में आयरन, फास्फोरस, कैल्शियम और मैग्नीशियम की मात्रा भी खूब पाई जाती है, जो शरीर के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं।

मिट्टी के बर्तनों में होने वाले छोटे छोटे छिद्र आग और नमी को बराबर सर्कुलेट करते हैं। इससे खाने के पोषक तत्व सुरक्षित रहते हैं।

मिट्टी के बने बर्तनों में कम तेल का इस्तेमाल होता है। मिट्टी के बने बर्तनों में खाना स्वादिष्ट बनता है। इन बर्तनों में भोजन पकाने से पौष्टकता के साथ-साथ भोजन का स्वाद भी बढ़ जाता है।

गर्मी और उमस में दौड़ते समय ध्यान में रखें ये बातें नहीं होगी स्वास्थ्य से जुड़ी कोई दिक्कत

दौड़ना शायद ही आसान लगता हो। खासकर जब गर्मियां हों तो इस मौसम में ह्यूमिडिटी और भीषण गर्मी में दौड़ना और भी मुश्किल हो जाता है। अत्यधिक पसीना और गर्मी के कारण हम जल्दी थकान महसूस करने लगते हैं। जो लोग डेली वर्कआउट करते हैं या जो रनर्स होते हैं उनके लिए इन सब बातों की वजह से वर्कआउट करना तो नहीं रुक सकता, क्योंकि गर्मियों का मौसम साल का सबसे लंबा मौसम माना जाता है। ऐसे में अगर आप सर्दियां आने का इंतजार करने लगेंगे तो आपकी बहुत सारी प्रैक्टिस बीच में ही अटक जायेगी।

गर्मी के दौरान भागते समय क्या पहनें

आप अगर गर्मियों के दौरान रनिंग कर रहे हैं तो आपको अपने कपड़ों को भी ध्यान रखना चाहिए। आपको ऐसे कपड़े पहनने चाहिए जो ढीले हों। जिस टी शर्ट में हवा आर पार जा सके और ऐसे फैब्रिक का कपड़ा पहनें जो पसीना सोख ले जैसे सूती। अधिक से अधिक हल्के रंगों के कपड़े पहनें जिनसे आपको गर्मी न लगे। अगर आप चाहें तो लाइट वेट कपड़ों में इन्वेस्ट कर सकते हैं।

ऐसे जगह ढूंढें जिन पर अधिक पेड़ लगे हों

आपको इस मौसम के दौरान छाया की अधिक जरूरत होती है इसलिए ऐसे रूट का चुनाव करें जिनमें अधिक से अधिक पेड़ लगे हों या जहां बड़ी बड़ी बिल्डिंग के कारण धूप अधिक न आ रही हो। ताकि आपको अधिक सन एक्सपोजर का सामना न करना पड़े और गर्मी से थोड़ी बहुत राहत मिल सके। हालांकि भागते समय पसीने आना और गर्मी लगना लाजमी है।

जिंक और मिनरल्स युक्त सनस्क्रीन क्रीम

कोई केमिकल सनस्क्रीन क्रीम की जगह ऐसी सनस्क्रीन क्रीम का प्रयोग करें, जिसमें जिंक या मिनरल हो। माना कि आप जानते हैं सनस्क्रीन की क्या अहमियत है। पर हर तरह की सनस्क्रीन आपको पसीने से नहीं बचा सकती। इसलिए जो सनस्क्रीन जिंक बेस्ड फार्मूला आधारित होगी, वह आपको पसीने की परेशानी से बचायेगी।

भागने के लिए बेहतर समय

जब सूर्य नहीं निकलता है तो आपको अधिक गर्मी नहीं लगती है और गर्मी से थोड़ी सी राहत मिल सकती है। इसलिए आप सुबह जल्दी उठ कर सूर्य निकलने से पहले ही यह कोशिश करें कि आपकी रनिंग पूरी हो जाए ताकि आप अधिक गर्मी के प्रकोप से बच सकें। अगर आप सुबह जल्दी नहीं उठ सकते हैं तो आप शाम को दौड़ सकते हैं। जब सूर्य छिप जाता है और गर्मी से थोड़ी राहत मिल जाती है।

दौड़ने से पहले और बाद में कितना अधिक पानी आपको पीना चाहिए

दौड़ने के दौरान आने वाला पसीना आपके शरीर के सारे पानी को बाहर निकाल देता है। जिस कारण आपको डीहाइड्रेशन का सामना करना पड़ सकता है इसलिए आपको दौड़ने से पहले और बाद में भरपूर मात्रा में पानी पीना चाहिए और हर गतिविधि करते समय दो गिलास पानी पीते ही रहें। आप स्पोर्ट ड्रिंक्स का भी चुनाव कर सकते हैं।

क्या गर्मियों में भी आपको उतना ही तेज भागना चाहिए : अगर आप गर्मियों में बहुत अधिक स्पीड से दौड़ते हैं तो आपको अधिक थकान होती है और अधिक थकान होने के कारण आपको हर कदम रखने के लिए अधिक प्रयास करने की जरूरत होगी। इसलिए कोशिश करें कि अधिक गर्मी वाले दिन आप अपनी स्पीड और अपना रनिंग सेशन थोड़ा कम कर दें ताकि आपके शरीर को भी जरूरत के हिसाब से आराम मिल पाए और आप अधिक परेशान न हो सकें।

अगर यह लक्षण दिखें तो तुरंत रुक जाएं : अगर आप गर्मियों के दौरान अपनी क्षमता से अधिक रनिंग कर लेते हैं।

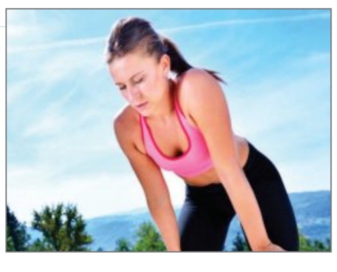

- चक्कर आना,
- शरीर में दर्द होना,
- सिर दर्द होना
- स्किन का ठंडा महसूस होना।

ये लक्षण दिखने पर आपको रेस्ट लेने की जरूरत है और कुछ दिन के लिए रनिंग करनी छोड़ दें और खुद को पूरा आराम और ठंडी चीजों से नवाजे।

गर्म पानी पीने के फायदे तो कई बार सुने होंगे! अब नुकसान भी जान लें

वेट लॉस या खुद को फिट रखने के लिए रोजाना गर्म पानी भी पी रहे हैं। गर्मियों में गर्म पानी पीना काफी देर तक आपकी प्यास नहीं बुझा सकता लेकिन फिर भी माना जा रहा है कि आपके गले को साफ रखने के लिए यह कारगर है। सुबह एक गिलास गुनगुना पानी आपकी सेहत के लिए अच्छा है लेकिन बार-बार गर्म पानी पीने के कई नुकसान भी हैं।

किडनी पर पड़ता है असर : हमारी किडनियों में खास कैपिलरी सिस्टम होता है, जो अतिरिक्त पानी और टॉक्सिन्स को शरीर के बाहर निकलने में मदद करता है। रिसर्च बताती है कि गर्म पानी से आपकी किडनियों पर सामान्य की अपेक्षा ज्यादा जोर पड़ता है, इसके कारण किडनी को सामान्य से फंक्शन करने में समस्या आती है।

अनिद्रा की समस्या : रात में सोते समय गर्म पानी पीने से आपको नींद की समस्या हो सकती है। रात में गर्म पानी पीने से आपको पेशाब भी अधिक आता है और आपकी रक्त वाहिनी कोशिकाओं पर भी दबाव बढ़ जाता है। सोते समय गर्म पानी का सेवन न करें।

शरीर के आंतरिक अंगों को नुकसान :

गर्म पानी का तापमान शरीर के अंदरूनी अंगों को प्रभावित करता है। वहीं लगातार गर्म पानी पीने से शरीर के अंदर के अंगों का जलने का खतरा होता है। शरीर के अंदरूनी अंगों के टिशूज बेहद संवेदनशील होते हैं। ऐसे में अगर आप बहुत जल्दी-जल्दी गर्म पानी पीते हैं, तो इससे आपके अंदरूनी अंगों में छाले पड़ सकते हैं।

गर्मियों में क्यों बढ़ जाता है किडनी की पथरी का दर्द

दिन प्रतिदिन बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग की वजह से तापमान बढ़ता जा रहा है और इस बढ़ते तापमान के कारण गर्मी और उमस से सबसे ज्यादा परेशानी पथरी वाले लोगों को होती है। पथरी की समस्या किसी को भी हो सकती है। यहां तक कि युवा वर्ग में भी। हालांकि कुछ लोगों में जेनेटिक, उम्र या सेक्स के हिसाब से भी यह समस्या उत्पन्न होती है। गर्मियों में पसीना अधिक निकलता है तब भी डिहाइड्रेशन की समस्या बढ़ जाती है और हमारा यूरिन आउटपुट भी प्रभावित होता है और इस कारण किडनी में क्रिस्टल बनने लगते हैं। जिससे हमें (स्टोन)पथरी की समस्या हो जाती है। इस प्रकार गर्मियों में पथरी का दर्द अधिक देखने को मिलता है।

क्या होते हैं किडनी स्टोन : किडनी स्टोन मिनरल साल्ट होते हैं जो यूरिनरी ट्रैक्ट में इक्ट्ठा हो जाते हैं। जब इन तत्त्वों की एक साथ गांठ बन जाती है तो (किडनी स्टोन) पथरी बनना शुरू हो जाते हैं। जब यह स्टोन बड़े होने लग जाते हैं तो यह पेशाब के फ्लो को ब्लॉक करना शुरू कर देते हैं और किडनी से ब्लैडर की ओर जाने वाली ट्यूब में फंस जाते हैं।

मौसम में बदलाव का किडनी पथरी से क्या नाता है : किडनी में पथरी होने के आपका लाइफस्टाइल और आपकी डाइट तो मुख्य कारण होती ही हैं लेकिन मौसम में बदलाव आना या बहुत अधिक गर्मी पड़ना भी किडनी की पथरी का एक कारण बन सकता है। हाल ही में गर्मियों के दौरान किडनी की पथरी के बढ़ते हुए केस देखने को मिल रहे हैं।

नमक के सेवन को सीमित करें : उन चीजों का सेवन बहुत ही कम करें जिनमें नमक या अधिक कैफीन होता है या जो अधिक कैलोरीज़ वाली होती हैं। नमक से पेशाब में अधिक कैल्शियम बनता है और यह भी पथरी का रिस्क बढ़ाता है।

यूरिन आउटपुट को बढ़ाएं : याद रखें कि पसीने के कारण आपका सारा पानी शरीर से बाहर निकल जाता है और इस कारण पेशाब कम बन पाता है। आपको अपना यूरिन आउटपुट बढ़ाने के लिए अधिक से अधिक पानी और तरल पदार्थों का सेवन करना चाहिए। आप पानी के साथ फल का जूस भी पी सकते हैं।

मैग्नेशियम का सेवन बढ़ाएं : मैग्नेशियम स्टोन को बनने से रोकता है इसलिए यह आपके पथरी फॉर्मेशन से बचाव करने का एक बढ़िया तरीका है। मैग्नेशियम के कारण न केवल आपका दर्द कम होता है बल्कि यह स्टोन को पिघलाने में भी बहुत लाभदायक होता है। अगर आप चाहें तो मैग्नेशियम के सप्लीमेंट्स ले सकते हैं जिससे आपको बहुत अच्छे नतीजे मिल सकते हैं।

नींबू पानी पिएं : अगर आप खुद को पथरी से बचाना चाहते हैं तो एक गिलास में एक नींबू निचोड़ कर रोजाना पीना शुरू कर दें। अगर आपको पहले से ही किडनी में पथरी है तो आप उसके दर्द से छुटकारा पाने के लिए एक गिलास पानी में नींबू निचोड़ कर हर आधे घंटे में जब तक पिएं जब तक आपको आराम नहीं मिल जाता।

कैल्शियम से युक्त चीजों का सेवन अधिक करें

अगर आपको कैल्शियम स्टोन की समस्या है तो इसका मतलब यह नहीं है कि अब आपको डेयरी पदार्थों का सेवन नहीं करना चाहिए। रिसर्च के मुताबिक स्टोन के रोगियों को भी अपनी डाइट में कैल्शियम की अच्छी खासी मात्रा रखनी चाहिए।

गर्मी में खूबसूरत ग्लोइंग त्वचा चाहते हैं तो पिएं ये देसी ड्रिंक्स

गर्मियों का मौसम शुरू होते ही शुरू हो जाती है स्किन से जुड़ी समस्याएं भी। इस मौसम में जितना फर्क हमारी हेल्थ को पड़ता है, उतना ही हमारी स्किन भी झेलती है। अगर गर्मी को मात देना है और स्किन को खूबसूरत बनाना है तो हमें कुछ ऐसा करना होगा, जिसमें ज्यादा मेहनत भी ना हों, और स्किन के साथ हमारी हेल्थ भी सही रहे। गर्मियों के मौसम में डिहाइड्रेशन की समस्या के चलते स्किन में रैशेज, ऑयली और बेजान त्वचा की समस्या होना आम बात है। जिससे पिम्पल्स, चकते होना शुरू हो जाते हैं। हालांकि इसके लिए कई तरह के लोशन और नेचुरल चीजों की मदद ली जा सकती हैं, लेकिन अगर आप अपने खाने पीने में बदलाव करेंगी तो फर्क गहराई से होगा। जैसा कि हम सब जानते हैं कि पानी ना हमारी हेल्थ बल्कि स्किन के लिए काफी जरूरी है।

लस्सी का कमाल

लस्सी का एक ठंडा गिलास, ना सिर्फ स्वाद और गर्मियों से राहत देगा बल्कि स्किन को ग्लोइंग और खूबसूरत भी बनाएगा। लस्सी में दही होता है, और दही एंटी एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। इससे स्किन में खुजली होने की समस्या दूर होती है। स्किन काफी सॉफ्ट हो जाती है। अगर आप हेल्दी स्किन चाहती हैं तो लस्सी जरुर पिएं। इससे पेट भी भरेगा और स्किन भी खूबसूरत बनी रहेगी। ये देसी ड्रिंक्स सबको पसंद आएगी।

सत्तू का शरबत

अगर आपको भूख लग रही तो आप सत्तू के शरबत को जरुर आजमाएं। इससे ना सिर्फ स्किन हाइड्रेट होती है बल्कि पेट की भूख भी कम हो जाती है। सत्तू गर्मियों में सबसे ज्यादा फायदेमंद होता है, क्योंकि इसकी तासीर भी ठंडी होती है। सत्तू में भुने जीरे का पाउडर, चीनी, नमक, लाल मिर्च पाउडर का तड़का इसे और भी स्वाद भरा बनाता है। इसमें आयरन भरपूर मात्रा में होता है। इससे स्किन हेल्दी होती है। साथ ही स्किन को गर्मियों में खराब होने से बचाने में मदद करता है।

नींबू पानी का कमाल

बात स्किन की हो और नींबू को भूल जाएं, ऐसा कैसे हो सकता है भला। जी हां नींबू की डिमांड गर्मियों के मौसम में सबसे ज्यादा होती है। नींबू पानी बनाने में जितना आसान उतने ही इसके फायदे हैं शायद उससे भी ज्यादा। नींबू पानी में विटामिन सी की अच्छी मात्रा होती है। जो स्किन को अंदर से डिटॉक्स कर फ्रेश रखती है। नींबू पानी से पिम्पल्स की समस्या भी काफी हद तक कंट्रोल में रहती है।

छाछ

गर्मियों के मौसम में छाछ सबसे ज्यादा लोकप्रिय देसी ड्रिंक्स में से एक है। छाछ को जीरे और करी के पत्ते के तड़के के साथ तैयार करते हैं। एक ठंडा छाछ का ग्लास पेट को ठंडा रहने में मदद करता है। इससे पाचन-क्रिया मजबूत होती है। साथ स्किन पर भी काफी पॉजिटिव असर डालता है। इसे आप खाने के साथ या खाने के बाद भी पी सकते हैं।

आम पन्ना

गर्मियों के दस्तक देते ही फलों का राजा आम काफी पसंद किया जाने लगता है। आम खाने के बहाने तो कई हैं, जिससे ना जाने कितनी अनगिनत रेसिपी तैयार की जा सकती है। इस मौसम में कच्चे आम का बना पन्ना काफी पसंद किया जाता है। बनाने में काफी आसान आम पन्ना जीभ पर काफी अच्छा स्वाद छोड़ता है। आम पन्ना में विटमिन ए, सी और बीटा कैरोटीन भरपूर मात्रा में होता है। जो हमारी स्किन को अंदर से खूबसूरत बनाता है। साथ ही सूरज से स्किन को बचाने में भी मदद करता है। इसका सेवन काफी हेल्दी भी है।

चाय के साथ भूलकर भी न करें इन चीजों का सेवन

चाय के साथ बिस्किट, ब्रेड, नमकीन खाना आम बात है। वहीं ज्यादातर लोग नाश्ते के साथ चाय पीते हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि खाली पेट चाय पीने से भी ज्यादा खतरनाक है, चाय के साथ कुछ ऐसी चीजों का सेवन जिनसे आपको कई परेशानियां घेर सकती हैं।

हरी पत्तेदार सब्जियां : कई लोग खाने के साथ चाय पीते हैं, जिनमें रोटी के साथ हरी सब्जियां भी होती है। हरी पत्तेदार सब्जियों में मौजूद गोइट्रोजन दरअसल थायरॉयड ग्रंथि द्वारा आयोडीन को लेने में रुकावट डालता है और आयोडीन की कमी का कारण बन सकता है। गोभी, फूलगोभी, हरे पत्तों, मूली, सरसों, ब्रोकली, ब्रसेल्स स्प्राउट्स, शलजम और सोयाबीन जैसी सब्जियों में गोइट्रोजन होते हैं।

कच्ची चीजें : कच्ची चीजें जैसे सलाद, अंकुरित अनाज या फिर उबला हुआ अंडा जैसी चीजें भी चाय के साथ लेना आपकी सेहत और पेट को नुकसान पहुंचा सकता है।

हल्दी वाली चीजें : अगर आप चाय के साथ या चाय पीने के तुरंत बाद ऐसी चीजों का सेवन करते हैं जिसमें हल्दी की मात्रा अधिक हो, तो यह भी आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है। इसका प्रमुख कारण है चाय और हल्दी में मौजूद रासायनिक तत्व, जो आपस में क्रिया करके आपके पेट में रासायनिक क्रिया कर पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

नींबू : चाय के साथ किसी ऐसी चीज का प्रयोग भी न करें जिसमें नींबू की मात्रा हो, यह नुकसानदायक है। कई लोग चाय में नींबू निचोड़कर लेमन टी बनाकर पीते हैं लेकिन यह चाय एसिडिटी और पाचन संबंधी और गैस की समस्या भी पैदा कर सकती है।

कभी-कभी चाय में नींबू मिलाकर पीने से पेट में बनने वाला रसायन जहर जितना घातक हो सकता है।

ठंडी चीजें : चाय के पहले पानी पीना तो ठीक है, लेकिन चाय के साथ या फिर चाय पीने के बाद पानी या किसी भी ठंडी चीज का सेवन किसी भी लिहाज से ठीक नहीं है। चाय पीने के तुरंत बाद पानी पीना, पाचन तंत्र पर बुरा असर डालता है और गंभीर एसीडिटी की समस्या या पेट की अन्य समस्या भी पैदा कर सकता है।

इन पांच तरीकों से बनाएं अपनी रोजाना की डाइट को पौष्टिक, आप रहेंगे स्वस्थ

नया साल आता है हम प्रण करते हैं, इस साल कुछ भी जंक फूड नहीं खाएंगे। लेकिन एक महीने के भीतर प्रण टूट जाता है और बर्गर किंग दिखते ही जुबान बर्गर का टेस्ट लिए बिना रुकती नहीं है। यही नहीं कई लोग मोटापे को कम करने के लिए हर महीने संकल्प करते हैं कि इस महीने इतनी कैलोरी बर्न करनी हैं कि एकदम आलिया भट्ट बन जाऊं। लेकिन सच्चाई क्या होती है, वो आप भी जानते हैं। ऑनलाइन डिलेवरी का बढ़ता चलन और स्टेटस सिंबल बनता जंक फूड अनहेल्दी लाइफस्टाइल को प्रमोट कर रहा है। ऐसे में हेल्दी डाइट को लेकर खुद से की गई कस्में हम खुद ही तोड़ देते हैं।

क्या हैं 12 पिलर्स : 12 पिलर्स को 3 हिस्सों में बांट सकते हैं। कोर, लाइफस्टाइल और एक्सटरनल। कोर सिस्टम में शरीर की फिजिकल हेल्थ को मेटेन किया जाता है। जिसमें पाचन, डिटॉक्सीफिकेशन, हार्मोनल और इम्युनिटी पर ध्यान दिया जाता है। लाइफस्टाइल में कोर पिलर्स को सपोर्ट करने वाले तत्वों पर ध्यान दिया जाता है। एक्सटरनल पिलर्स में सोशल, एनवायरमेंटल, ऑक्यूपेशनल और फाइनेंशियल पिलर्स शामिल हैं। डॉक्टर कहती हैं कि इन सभी पिलर्स से हमारी मानसिक और शारीरिक हेल्थ स्वस्थ रहती है।

धीरे-धीरे खाएं : स्वस्थ शरीर के लिए जरूरी है कि खाना धीरे-धीरे और चबाकर खाना चाहिए। ताकि भोजन का स्वाद में अच्छे आ सके और भोजन ठीक से पच सके। जब खाना सही से पचेगा तो पाचन संबंधी परेशानियां नहीं होंगी। साथ ही डॉक्टर का कहना है कि ज्यादा गर्म या ज्यादा ठंडा भोजन भी न करें। इससे सेंसिटिविटी की दिक्कत होगी। और ज्यादा गर्म या ठंडो होने की वजह से आप खाना जल्दी खाएंगे और वह ठीक से पचेगा नहीं।

वजन कम करने के लिए भोजन को छोड़ें : कई लोगों को आदत होती है कि वे मोटापा कम करने के लिए खाना खाना बंद कर देते हैं। या फिर खाने की मात्रा बहुत कम कर देते हैं। इससे उनका वजन तो कम होता है लेकिन शरीर में कई और बीमारियां जन्म लेने लगती हैं। सही न्यूट्रीशन न मिलने की वजह से इम्युन सिस्टम कमजोर हो जाता है। इसलिए अगर आप वजन कम करना चाहते हैं तो कैलोरी पर ध्यान दें और नियमित व्यायाम करें।

फल हमेशा दिन में खाएं : फलों का सेवन दिन में ही करना चाहिए। क्योंकि दिन में शरीर चलता-फिरता रहता है। जिस वजह से फलों का पूरा न्यूट्रीशन शरीर को मिलता रहता है।

RNI NO. RAJHIN/2013/52026
POSTAL REG NO. TONK/49/2022-24
दैनिक बढ़ता राजस्थान

सरकार के बिल का भाजपा विधायक ने किया विरोध

कांग्रेस का वॉकआउट, रविंद्र भाटी बोले- लोकसभा चुनाव का पर्चा भरा तो कई विभागों के नोटिस आए

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। राज्य सरकार ने एक और बिल राजस्थान भू-राजस्व (संशोधन और विधिमान्यकरण) को सदन में बहस के बाद पारित होने से ठीक पहले विधानसभा की प्रवर समिति (सलेक्ट कमेटी) को भेज दिया है। राजस्व मंत्री हेमंत मीणा ने बहस का जवाब देने के बाद बिल को सलेक्ट कमेटी को भेजने का प्रस्ताव रखा, जिसे ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। बिल पर कांग्रेस के साथ बीजेपी के कई विधायकों ने भी विरोध किया था। वहीं इमरजेंसी में जेल जाने वालों को पेंशन और सुविधाओं के लिए लाए गए लोकतंत्र सेनानी सम्मान बिल पर बहस के दौरान निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने कहा- हमने इमरजेंसी के उस कालखंड को देखा नहीं, लेकिन सुना है, इमरजेंसी से लड़ने वाले सम्मान के पात्र है। मैं जब बाड़मेर सीट से लोकसभा चुनाव का नॉमिनेशन भरकर वापस लौटा तो घर पर इनकम टैक्स सहित कई विभागों के नोटिस आए हुए थे।

गहलोत राज के आखिरी 6-महीने में बने बोर्ड शुरू नहीं होंगे

इससे पहले राज्य सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सरकार के आखिरी छह महीने में बनाए गए 26 बोर्ड सहित 34 बोर्ड को न तो कोई बजट दिया है और न ही इनमें अध्यक्ष व मेंबर की नियुक्ति की है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने विधानसभा में शुक्रवार को संकेत दिए हैं कि फिलहाल इन्हें चालू नहीं किया जाएगा। लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान बिल पर बहस के दौरान कांग्रेस विधायक रफीक खान के इमरजेंसी में जेल जने वालों के लिए मुल्जिम शब्द का इस्तेमाल करने पर बीजेपी विधायकों ने कड़ी आपत्ति की। इस पर सदन में हंगामे के हालात बन गए। काफी देर तक कांग्रेस-बीजेपी विधायकों के बीच जमकर नोकझोंक हुई। रफीक खान ने कहा- जुर्म करोगे तो जेल ही जाओगे? आप जुर्म करने वाले मुल्जिमों को पेंशन देने कानून ला रहे हो। इस पर बीजेपी विधायकों ने कहा- मुल्जिम कहना गलत होगा।

रफीक खान ने कहा- कानून का उल्लंघन करने वाले को मुल्जिम ही कहोगे। किसान जो आंदोलन कर रहे हैं उनके साथ आपने कैसा बर्ताव किया। उनके साथ वादाखिलाफी की। किसान क्या लोकतंत्र का पार्ट नहीं है। हमारी सरकार की चिरंजीवी स्कीम बरकरार रख लेते तो बिल लाने की जरूरत ही नहीं पड़ती।

भाटी बोले- इनकम टैक्स सहित कई विभागों के नोटिस आए

इमरजेंसी में जेल जाने वालों को पेंशन और सुविधाओं के लिए लाए गए लोकतंत्र सेनानी सम्मान बिल पर बहस के दौरान निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने कहा- हमने इमरजेंसी के उस कालखंड को देखा नहीं, लेकिन सुना है, इमरजेंसी से लड़ने वाले सम्मान के पात्र है। मैं जब बाड़मेर सीट से लोकसभा चुनाव का नॉमिनेशन भरकर वापस लौटा तो घर पर इनकम टैक्स सहित कई विभागों के नोटिस आए हुए थे। मैं जिम्मेदारों से कहना चहता हूं, प्रदेश के मुखिया को पता ही नहीं होगा, लेकिन कुछ लोगों ने षड्यंत्र करके ऐसा किया होगा।

भाटी ने कहा-पीछे बैठे लोग षड्यंत्र रचते हैं कि सरकार की गलत इमेज बने। यहां ससंदीय कार्यमंत्री बैठे हैं, सरकार की ऐसी छवि नहीं बननी चाहिए। लोकतंत्र के हम पैरोकार रहे हैं। जहां कहीं लोकतंत्र की बात आई, जनता की आवाज को दबते देखा, आवाज उठाई है। जो सदस्य आपसे कम उम्र का है, उस पर लोकसभा चुनाव के बाद तीन-तीन मुकदमे दर्ज किए गए। हम लोग जनता की आवाज को नहीं रखेंगे तो उस आवाज को उठाएगा कौन? जनता ने आशीर्वाद देकर इसलिए भेजा है, ताकि मजबूती से उनके दुख दर्द की बात रख सकें। जब जनता के दुख दर्द की बात कहते हैं तो कुछ लोग साजिश के तहत उसे दबाने का प्रयास करते हैं। आप गंभीरता से इस पर विचार करें कि क्या हम वाकई लोकतंत्र को मजबूत कर रहे हैं।

इमरजेंसी में मुझे बिना अपराध जेल में रखा : गर्ग

लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान बिल पर बहस के दौरान सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा- इमरजेंसी के दौरान मुझे 151 के तहत गिरफ्तार करके महीनों तक जेल में रखा। हमारी कोई गवाही नहीं देता था। उस समय का वातावरण क्या था, यह बताता हूं। पहले तो मजिस्ट्रेट ही सुनवाई नहीं करते थे, फिर जैसे तैसे सुनवाई हुई। जज ने हमें गिरफ्तार करने वाले थानेदार से पूछा कि इनका गुनाह क्या है, तो वह बोला कि ये तो आगजनी कर रहे थे।

हम तो दो लोग मसाल लेकर जा रहे थे, आगजन कैसे करते। फिर जब दूसरे गुनाह के बारे में पूछा तो थानेदार ने कहा कि ये नारे लगा रहे थे, भारत माता की जय बोल रहे थे। यह आज भी कोर्ट के रिकॉर्ड में मिल जाएगा। उस वक्त भारत माता की जय बोलना अपराध घोषित कर दिया था, कांग्रेस के लोग उस दौर को जस्टिफाई कर रहे थे, आपसे और गया बीता कौन हो सकता है? आप उस दौर की ज्यादतियों के लिए माफी मांगते तो कोई बात थी।

बीजेपी विधायक बोले- इमरजेंसी में ड्राइवर तक को जेल भेजा

लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान बिल पर बहस के दौरान बीजेपी विधायक ताराचंद जैन ने कहा कि इमरजेंसी के दौरान भारी अत्याचार किए गए। हम आरएसएस की शाखाओं में जाते थे, उस समय नाबालिग थे। हमारे एक 16 साल के बाल स्वयंसेवक को पुलिस ने पकड़कर इतना पीटा कि उसके कान के पर्दे फट गए। इमरजेंसी में मनमाने तरीके से जेल में डाला गया। एक रोडवेज ड्राइवर का किस्सा है, बीच रोड भैंस बैठी थी, उसे लेकर रोडवेज ड्राइवर ने कमेंट कर दिया कि इंदिरा गांधी की तरह ठूंठ बनकर बैठी है। इस कमेंट पर उस ड्राइवर को जेल में डाल दिया था। जैन ने कहा- इंदिरा गांधी को भरोसा दिलाया गया था कि 400 सीट कांग्रेस की आएगी, तब इमरजेंसी हटाकर चुनाव करवाने का फैसला किया था। तब लोग कहते थे कि गाय और बछड़ा दोनों हारेंगे।

कर्नाटक विधानसभा में मुस्लिम आरक्षण पर हंगामा

18 बीजेपी विधायक 6 महीने के लिए सस्पेंड, सीएम समेत मंत्रियों-विधायकों की सैलरी दोगुनी हुई

बढ़ता राजस्थान

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक विधानसभा में शुक्रवार को सरकारी ठेकों में मुस्लिमों को 4% आरक्षण देने के मामले में भाजपा विधायकों ने जमकर हंगामा किया। आर अशोक के नेतृत्व में भाजपा विधायकों ने आरक्षण बिल की कॉपी फाड़कर स्पीकर की ओर फेंक दी। इसके बाद स्पीकर यूटी खादर ने मार्शलों को बुलाकर हंगामा कर रहे विधायकों को सदन से बाहर करवा दिया। साथ ही भाजपा के 18 विधायकों को विधानसभा की कार्यवाही से 6 महीने के लिए सस्पेंड कर दिया।हंगामे के बीच सरकार ने मुख्यमंत्री, मंत्रियों और विधायकों की सैलरी 100% बढ़ाने का बिल पास कर दिया। विधेयक को कर्नाटक के कानून और संसदीय मामलों के मंत्री एच.के. पाटिल ने पेश किया। इसके पारित होने से मुख्यमंत्री का वेतन 75 हजार रुपए से बढ़कर 1.5 लाख रुपए प्रतिमाह हो जाएगा। विधान परिषद के सभापति और विधानसभा अध्यक्ष का वेतन 75 हजार रुपए से बढ़ाकर 1.25 लाख रुपए हो जाएगा।

मंत्रियों का वेतन भी दोगुना होगा-20 मार्च को सरकार ने कर्नाटक विधानमंडल वेतन, पेंशन और भत्ते (संशोधन) विधेयक, 2025 और कर्नाटक मंत्रियों के वेतन और भत्ते (संशोधन) विधेयक, 2025 को मंजूरी दी।

विश्व वानिकी दिवस पर राज्य स्तरीय समारोह

प्रदेशभर में इस वर्ष लगाए जाएंगे 10 करोड़ पौधे, भावी पीढ़ी के लिए हरा भरा और स्वस्थ राजस्थान बनाने का लें संकल्प : सीएम शर्मा

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार ने मिशन हरियालो राजस्थान के तहत 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है, जिसके अंतर्गत वर्ष 2024-25 में प्रदेश में 7 करोड़ पौधे लगाए गए तथा बजट वर्ष 2025-26 की घोषणा की अनुपालना में इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। शर्मा शुक्रवार को विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर जयपुर के राजस्थान इन्टरनेशनल सेन्टर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रकृति हमारे जीवन का आधार है। हमारी संस्कृति में पेड़, प्रकृति एवं पहाड़ों की पूजा की जाती है तथा राजस्थान का पर्यावरण संरक्षण से पुराना नाता रहा है। उन्होंने आह्वान करते हुए कहा कि हम वनों को बचाने और अपनी जैव-विविधता को संरक्षित करने के साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरा भरा और स्वस्थ राजस्थान बनाने का संकल्प लें।

प्रदेश के गोडावण संरक्षण के प्रयासों की हो रही सराहना : मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी वन, पर्यावरण एवं जलवायु संतुलन के प्रयासों में एक वैश्विक लीडर बनकर उभरे हैं। ग्लासगो में आयोजित कोप 26 के दौरान प्रधानमंत्री जी ने दुनिया के सामने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए पांच प्रतिबद्धताएं अर्थात पांच अमृत तत्व रखे हैं, जिनमें वन भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने राष्ट्रीय वन्यजीव मंडल की बैठक में गोडावण पर राज्य में किए जा रहे संरक्षण कार्यों की सराहना करते हुए राष्ट्रीय गोडावण संरक्षण एक्शन प्लान की भी घोषणा की है।

प्रदेशवासियों को मिली इन परियोजनाओं की सौगात

शर्मा ने इस अवसर पर वन विभाग द्वारा विभागीय कार्यों में पारदर्शिता लाने हेतु नवीनतम आईटी तकनीक के उपयोग से विकसित 'डिजी-वन-फोरेस्ट स्टैक' एप का शुभारम्भ किया, जो कि देशभर का पहला डिजिटल फोरेस्ट स्टेक है। साथ ही, उन्होंने सीतामाता वन्यजीव अभ्यारण्य में इको टूरिज्म फैसिलिटीज तथा केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, भरतपुर व नाहरगढ़ बायोलोजिकल पार्क में गोल्फ कार्ट सुविधा को प्रदेश की जनता को समर्पित किया। इस अवसर पर वन मृदा स्वास्थ्य कार्ड एवं राजस्थान में जलवायु परिवर्तन प्रतिक्रिया और पारिस्थितिकी तंत्र सेवा संवर्धन (सीआरईएसईपी) के लोगो का अनावरण तथा वन प्रशिक्षण एवं प्रबंध संस्थान का रिमोट का बटन दबाकर डिजिटल माध्यम से शिलान्यास भी किया।

सत्ता भी गंवानी पड़ी तो समस्या नहीं, यूपी में उपद्रव नहीं उत्सव मनाए जा रहे : योगी

बढ़ता राजस्थान

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या पहुंचे सीएम योगी ने कहा कि हम सत्ता के लिए नहीं आए हैं। राम मंदिर के लिए सत्ता भी गंवानी पड़ी तो कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। यूपी में अब उपद्रव नहीं उत्सव मनाए जा रहे। जिसने राम पर लिखा वो महान हुआ। वह शुक्रवार सुबह 10 बजे हेलिकॉप्टर से रामकथा पार्क पहुंचे। भाजपा के नेताओं और गोसाईगंज से सपा के बागी विधायक अभय सिंह ने योगी का स्वागत किया। इसके बाद सीएम सीधे हनुमानगढ़ी मंदिर पहुंचे। यहां पूजा-अर्चना के बाद उन्होंने रामलला के दर्शन किए। करीब 20 मिनट तक निर्माण कार्यों का जायजा लिया। योगी यहां से कला और साहित्य महोत्सव में पहुंचे। यहां 1148 युवाओं को 47 करोड़ रुपए का चेक बांटा। उन्होंने कहा- अगर दृढ़ इच्छाशक्ति हो तो अवसर की कमी नहीं है। प्रधानमंत्री ने भी कहा है कि भारत का युवा अब जॉब लेने वाला नहीं बल्कि देने वाला भी बन रहा है।

राष्ट्रपति ने एम्स, नई दिल्ली के दीक्षांत समारोह को सुशोभित किया

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के दीक्षांत समारोह को सुशोभित किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि एम्स, नई दिल्ली एक ऐसा संस्थान है, जिसने स्वास्थ्य सेवा, चिकित्सा शिक्षा और आयुर्विज्ञान अनुसंधान में उत्कृष्टता हासिल करके दुनिया भर में प्रतिष्ठा अर्जित की है।

बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस

दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक समाचार पत्र मुद्रण के लिए संपर्क करें।

उच्च क्वालिटी का कागज एवं स्याही

कलर एवं ब्लैक मुद्रण | किफायती मुद्रण लागत

Printing Press
• Hameedpura Road Khandwa, Newai, Tonk, Rajasthan - 304021
Office
• Badhata Rajasthan, Near Rajkiya Mahavidhyalaya, NH-12, Bypass Newai, Tonk, Rajasthan - 304021
(M) +91-9214048888, Phone No. - 01438-223201, 02, 03
• 185/116, "Pratiksha", Sector-18, Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur - 302033
(M) +91-9414242258, Phone No. - 0141-2796795
Email: badhatarajasthanprintingpress@gmail.com

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर का अष्टम् दीक्षान्त समारोह

कुलाधिपति एवं राज्यपाल ने विद्यार्थियों को प्रदान की उपाधियाँ आयुर्वेद की महान विरासत से समाज को बनाएं आरोग्यवान : राज्यपाल

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। कुलाधिपति एवं राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने युवाओं से कहा है कि प्राचीन भारतीय आयुर्वेद के ज्ञान को आधुनिक परिप्रेक्ष्य में विकसित करते हुए भारत की इस महान विरासत के जरिए राष्ट्र को नई दिशा दें और विकसित भारत की संकल्पना में समाहित नीरोगी समाज के लक्ष्य पाने में हरसंभव सहभागिता निभाएं। राज्यपाल बागडे शुक्रवार को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के अष्टम दीक्षान्त समारोह में संबोधित कर रहे थे। कुलाधिपति एवं राज्यपाल ने दीक्षान्त समारोह में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय की ओर से 1426 उपाधियां प्रदान कीं। इस अवसर पर बी.ए.एम.एस, बी.यू.एम.एस, बी.एच.एम.एस एवं बी.एस.सी नर्सिंग आयुर्वेद में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले 4 छात्रों को गोल्ड मेडल प्रदान किए गए। समारोह में विश्वविद्यालय द्वारा पीएचडी आयुर्वेद के 16, एमडी/एमएस आयुर्वेद के 119, एमडी होम्योपैथी के 19, बीएएमएस के 717, बीएचएमएस के 227, बीयूएमएस के 157, बीएनवाईएस के 97 एवं बी.एससी आयुर्वेद नर्सिंग के 74 विद्यार्थियों सहित कुल 1426 को उपाधि प्रदान की गई।

बेहतर जीवनशैली में मददगार बनें

उन्होंने कहा कि आयुष पद्धति, स्वास्थ्य से जुड़ा भारतीय ज्ञान है। इसका उपयोग गरीब, जरूरतमंदों की नि:स्वार्थ भाव से सेवा में करें। यह करुणामयी स्वास्थ्य सेवा ही गरीब रोगियों को स्वास्थ्य के साथ-साथ बेहतर जीवनशैली का हौसला प्रदान करने में मददगार सिद्ध होगी।

आयुर्वेद पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा

विश्वविद्यालय के पंचकर्म विभाग के अंतर्गत अन्तर्राष्ट्रीय सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स के निर्माण और निकट भविष्य में इसके प्रारंभ होने से आयुर्वेद पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। भारत सरकार की आयुष वीजा नीति की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि इस नीति से इस दिशा में और अधिक सुखद परिणाम आएंगे।

विश्वविद्यालय की सराहना

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय द्वारा आयुर्वेद और इससे संबंधित क्षेत्रों के विकास, नवाचारों और सामाजिक सरोकारों के प्रति समर्पित दायित्वों की सराहना भी की और खासकर विश्वविद्यालय द्वारा भगवान धन्वन्तरि के नाम पर 1200 औषधीय पादपों का एक विशाल वनौषधि उद्यान विकसित करने को स्तुत्य प्रयास बताते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय देश में श्रेष्ठ आयुष शिक्षण और अनुसन्धान केन्द्र के रूप में प्रतिस्थापित होगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती कमलेश विजयवर्गीय द्वारा बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस,हमीदपुरा रोड खण्डवा,निवाई टोंक (राज.) से मुद्रित एवं राजकीय महाविद्यालय के पास एन एच-12,बाईपास निवाई टोंक (राज.) से प्रकाशित, संपादक-तनुजा पठान*।
प्रधान संपादक-राम बिलास विजयवर्गीय मो.नं. 9414242258, 9214048888 टोंक कार्यालय मो.नं. 9414823448 प्रधान कार्यालय :185/ 116 ''प्रतीक्षा'' सेक्टर-18, प्रताप नगर सांगानेर, जयपुर (राज.) फोन नं.0141-2796794,2796795,
E-Mail-badhatarajasthan@yahoo.com, *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर महानगर होगा)